सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आगाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक सामचार पत्र

वर्ष: 16 अंक: 39 | लखनऊ मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 1 रुपये

जनता दर्शन में 300 लोगों की समस्याएं सुनीं सीएम ने लोगों से बोले...

चिंता मत करिए, होगी कार्रवाई

● जन समस्याओं के प्रति बनें संवेदनशील, कराएं त्वरित समाधान: मुख्यमंत्री

● सीएम योगी बोले- गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं, पैमाइश करा- विवादों का निस्तारण कराएं

गोरखपुर,(एजेंसी)। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबकी समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। समस्या लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। दीपावली के दिन से गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 300 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में लापरवाही

● कच्चे कंक्रीट हैलीपैड पर उतरा हेलीकॉप्टर, पहिए गड्ढे में धंसे

तिरुवनंतपुरम,(एजेंसी)। अधिकारी ने बताया कि पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण, राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग प्रमदम में हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में लापरवाही का मामला सामने आया है। दरअसल राष्ट्रपति को सबरीमाला यात्रा पर ले जा रहा वायु सेना का हेलीकॉप्टर बुधवार सुबह प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नए कंक्रीट वाले हेलीपैड पर उतरते समय एक गड्ढे में फंस गया। राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक की यह घटना तब हुई, जब राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर की केरल के प्रमदम में लैंडिंग हुई। सूख नहीं पाया था कंक्रीट का बना हेलीपैड हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना हो गया। राष्ट्रपति के रवाना होने के बाद कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के पहियों को हैलीपैड पर बने गड्ढों से निकालते दिखाई दिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए जगह तय की गई थी, जिसके चलते मंगलवार देर रात ही हेलीपैड बनाया गया। इसके चलते हेलीपैड सूख नहीं पाया और जैसे ही राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर लैंड हुआ तो भारी वजन के चलते वह हेलीपैड में ही धंस गया। गनीमत रही कि इस वजह से कोई गड़बड़ी नहीं हुई। दक्षिणी राज्यों के दौरे पर हैं राष्ट्रपति अधिकारी ने बताया कि पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण, राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग प्रमदम में हुई।

रूसे से तेल खरीदने पर सियासत, कांग्रेस बोली– पीएम छुपाते हैं, ट्रंप उजागर कर देते हैं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार–बार यह कहने पर कि भारत रूस से अब ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा, कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी जो छिपाते हैं, ट्रंप वही उजागर कर देते हैं। छह दिन में चौथी बार ट्रंप ने भारत की विदेश नीति पर बयान दिया है। श्भारत अब रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगाश, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत

और रूस को लेकर बार–बार किए जा रहे इस दावे को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि यह छह दिन में चौथी बार है जब ट्रंप ने भारत की विदेश नीति की घोषणा की है, जबकि प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। पार्टी का कहना है कि अमेरिका बार–बार भारत की नीतियों की जानकारी सार्वजनिक कर रहा है, जबकि भारत सरकार पारदर्शिता नहीं दिखा रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आखिरकार स्वीकार किया कि ट्रंप ने उन्हें फोन किया और दीवाली की बधाई दी, लेकिन सिर्फ इतना ही बताया, लेकिन मोदी जो छिपाते हैं, ट्रंप वो सब बता देते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह भी कहा है कि भारत रूस से तेल खरीद में कटौती कर रहा है और ये बात खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बताई है। जयराम रमेश ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बंद होने की जानकारी भी ट्रंप ने पहले दी थी, न कि प्रधानमंत्री ने।

पीएम ने ट्रंप को फोन कॉल के लिए दिया धन्यवाद, कहा...

आतंकवाद के खिलाफ हम एकजुट

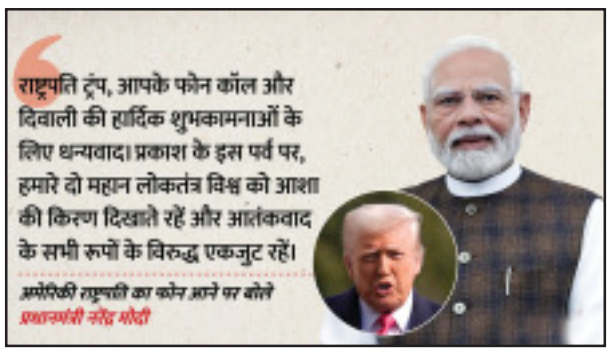

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कॉल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। दोनों नेताओं ने वैश्विक सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन कर दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। दिवाली पर दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई बात की जानकारी पीएम मोदी ने बुधवार को एक्स पर जानकारी साझा की। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने दीये जलाए। दीवाली के मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं भारत के लोगों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। ट्रंप से पीएम मोदी ने फोन पर की बात पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन कॉल और दिवाली की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

रूस से तेल खरीद पर भी दिया बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ष्मैं भारत के लोगों से प्यार करता हूं। हम अपने देशों के बीच कुछ बेहतरीन समझौतों पर काम कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह भी मेरी तरह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। वे बहुत ज्यादा तेल खरीदने नहीं जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने इसमें काफी कटौती कर दी है, और वे इसमें लगातार कटौती करते जा रहे हैं।

रोशनी के इस त्योहार पर, हमारे दो महान लोकतंत्र दुनिया को उम्मीद की रोशनी देती रहें और हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहें। 16 सितंबर के बाद से पीएम मोदी और ट्रंप के बीच यह तीसरी सार्वजनिक रूप से ज्ञात फोन कॉल थी। वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव जारी है। आज मेरी प्रधानमंत्री मोदी से बेहतरीन बातचीत हुई– ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि "मैं भारत के लोगों को हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज मेरी प्रधानमंत्री मोदी से बेहतरीन बातचीत हुई। हमने व्यापार पर बात कीश वह इस विषय में बहुत रुचि रखते हैं। कुछ समय पहले हमने पाकिस्तान के साथ युद्ध न होने की भी चर्चा की थी। व्यापार की वजह से मैं इस विषय को उठाने में सक्षम था, और अब भारत–पाकिस्तान के बीच कोई युद्ध नहीं है।

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बने नीरज चोपड़ा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी उपाधि

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री और थल सेना अध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई। नीरज इस दौरान सेना की वर्दी में नजर आए। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बन गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी

ने नीरज को यह उपाधि दी। रक्षा मंत्री और थल सेना अध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई। नीरज इस दौरान सेना की वर्दी में नजर आए। लगातार दो ओलंपिक में जीते हैं पदक हरियाणा के पानीपत के पास खंडरा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय भाला फेंक एथलीट ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक 2024 में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। इस साल नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई थी, लेकिन बुधवार को समारोह के दौरान उन्हें उपाधि दी गई। नीरज इससे पहले भारतीय सेना में सूबेदार मेजर थे। नीरज से पहले भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को भी 2011 में प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का मानद पद दिया गया था। इस साल मई में रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए नीरज के लेफ्टिनेंट कर्नल बनने की जानकारी दी गई थी। अधिसूचना में कहा गया था।

दिल्ली की हवा जहरीली

● दिल्ली–एनसीआर से भी ज्यादा प्रदूषित हैं देश के ये शहर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 184 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में आता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ में वायु गुणवत्ता बेहद खराब है और बुधवार को मेरठ में एक्यूआई 327 दर्ज किया गया। दिवाली के बाद एक बार फिर देश की राजधानी वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। खराब वायु गुणवत्ता ने लोगों का सांस लेना भी दूभर कर दिया है। हालांकि देश के कई शहर ऐसे भी हैं, जहां वायु गुणवत्ता दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से भी ज्यादा खराब रही। इनमें हरियाणा के जींद और धारूहेड़ा इलाके देश में सबसे ज्यादा प्रदूषित रहे और इनमें मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक क्रमशः 421 और 412 रहा, जो दिल्ली (351) की तुलना में कहीं ज्यादा है। बुधवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 335 है, जो खराब श्रेणी में है, लेकिन हरियाणा के कई शहरों में स्थिति दिल्ली–एनसीआर से भी बदतर है। राजस्थान में स्थिति भयावह राजस्थान के शहरों में बुधवार को स्थिति भयावह बनी हुई है। राज्य के कई प्रमुख शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। जिनमें श्रीगंगानगर में एक्यूआई 466, चूरू में 413, बीकानेर में 305, अलवर में 363, अजमेर में 306 और राजधानी जयपुर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया। हरियाणा के कई शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब देशभर में ऐसे 15 शहर रहे जहां बुधवार को भी हालात खराब रहे और यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से 400 के बीच पहुंचा, जिनमें हरियाणा के 9 शहर शामिल हैं। इनमें बुधवार को धारूहेड़ा का वायु गुणत्ता सूचकांक (386), चरखी दादरी (364), जींद (374), रोहतक (353), यमुनानगर (344), फतेहाबाद (314), बल्लभगढ़ (315), भिवानी (291) और बहादुरगढ़ (276) दर्ज किया गया। पंजाब में भी खतरनाक स्तर पर वायु प्रदूषण पंजाब के शहरों की हवा भी दमघोटू है।

यमुना पर छठ की पूजा से प्रतिबंध हमारी सरकार ने हटाया: सीएम रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में इस बार छठ महापर्व को मनाने की जोरों पर तैयारी सरकार की ओर से चल रही है। इस बार सरकार ने साफ कहा कि यमुना नदी के घाटों पर छठ पूजा होगी। इसके अलावा लगभग 17 पॉइंट्स पर सरकार द्वारा मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं। छठ पूजा को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ष्वर्षों से यमुना पर छठ की पूजा सरकार द्वारा बंद कर दी गई थी जिस प्रतिबंध को इस बार हमारी सरकार ने हटाया है। लगभग 17 पॉइंट्स पर सरकार द्वारा मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं। दिल्ली में 1000 से अधिक

छठ कार्यक्रमों के लिए आवेदन आ चुके हैं। इस सब में सारी व्यवस्थाएं सरकार की तरफ से दी जाएंगी। हर जिले में कम से कम एक मॉडल छठ घाट जरूर बनाया जाएगा।ष इस वर्ष, शहर में छठ पूजा स्थलों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में काफी बढ़ने की उम्मीद है। पिछले वर्ष, केवल 929 स्थानों पर छठ कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। लेकिन आज तक, हमें छठ पूजा मनाने के लिए समितियों से 1000 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए हैं। यमुना नदी पर हमारे द्वारा बनाए जाने वाले 17 घाटों के अलावा, सरकार इन सभी 1000 घाटों, या समय सीमा तक जितने भी घाट बनेंगे, उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रदान करेगी।

संविदा कर्मचारियों को स्थाई करेंगे: तेजस्वी

● 2 लाख जीविका दीदी परमानेंट होंगी, सरकार बनते ही सैलरी 10 हजार से 30 हजार कर देंगे

पटना,(एजेंसी)। महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले पटना में तेजस्वी यादव ने बुधवार यानी 22 अक्टूबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़े ऐलान किए हैं। तेजस्वी ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही जीविका दीदी को स्थाई करेंगे। उनकी सैलरी 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार कर देंगे। तेजस्वी यादव ने संविदा कर्मचारियों को भी परमानेंट करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ये सरकार संविदा कर्मचारियों का शोषण कर रही है। इसके साथ तेजस्वी ने सरकार बनने पर MAA योजना (M–मकान, A– अन्न, A– आमदनी) लॉन्च करने की बात कही। तेजस्वी ने कहा हम BETI (B– बेनिफिट, E– एजुकेशन, T– ट्रेनिंग, I – इनकम) योजना भी लाएंगे। डबल इंजन सरकार में जीविका दीदी का शोषण हुआ तेजस्वी ने कहा कि श्हमने पहले एक ऐतिहासिक घोषणा की थी कि जिन परिवारों के पास सरकारी नौकरियां नहीं हैं, उन परिवारों में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। आज हम फिर एक ऐतिहासिक घोषणा करने जा रहे हैं। जीविका दीदी का जितना शोषण इस सरकार में हुआ है, शायद ही कभी हुआ होगा। हम अपनी यात्रा के दौरान कई जिलों में घूमकर आए और हर जगह हमें जीविका दीदी का समूह मिलता था। सभी जीविका दीदी के प्रति हमारा सम्मान है और उन्हें उनका अधिकार और सम्मान दिलाना हमारी जिम्मेदारी है।

दीपावली पर्व पर बीएमपीएस के प्रबंधक ने कलमकारों को किया सम्मानित

लालगंज रायबरेली, संवाददाता। लालगंज नगर के सीबीएसई बोर्ड के अग्रणी संस्थान बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक सुनील सिंह की प्रेरणा से स्कूल के प्रबंधक शांतनु सिंह ने दीपावली पर कलमकारों को सम्मानित कर सराहनीय कार्य किया। उन्होंने सभी सम्मानित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि दीपावली पर्व भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। यह पर्व पांच दिनों तक चलता है, जिसमें धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज शामिल हैं।दीपावली की रात मुख्य द्वार, आंगन, और सभी कमरों में दीप जलाए जाते हैं, जो नकारात्मक शक्तियों को दूर करने और मां लक्ष्मी का स्वागत करने के लिए किया जाता है। रंगोली, फूलों की माला, और तोरण सजाए जाते हैं, जो घर में सकारात्मकता और शुभता का संचार करते हैं। प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि दीपावली का महत्व सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। यह पर्व परिवारों

को एकजुट करता है, और आपसी प्रेम, सौहार्द और सद्भावना को बढ़ावा देता है। जाती है, जो घर में सुख, शांति और धन–समृद्धि लाने के लिए महत्वपूर्ण है। इस मौके पर सह प्रशासनिक सचिव शालिनी सिंह ने कहा कि मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुशील शुक्ला ने बीएमपीएस स्कूल के द्वारा कलमकारों को सम्मानित किए जाने के कार्य को सराहनीय बताते हुए आभार भी जताया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य अभिषेक रंजन, जनसंपर्क अधिकारी यश बहादुर यादव सहित सुशील शुक्ला, शेर बहादुर सिंह, अनंत विजय सिंह, देवेश अग्निहोत्री, अतुल त्रिपाठी, चंद्रशेखर शरण सिंह,रामबाबू गुप्ता, शीतला गुप्ता, संजय सिंह, मोहम्मद परवेज, शशिराज पटेल, अजय प्रताप सिंह ,रणविजय सिंह आदि सम्मानित लोग मौजूदरहे।

01 विवाहित जोड़ा पुनः साथ रहने को हुआ राजी

अमेठी। "मिशन शक्ति" नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के तहत कंचन सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला मय टीम द्वारा पति–पत्नी के बीच चल रहे विवादों के संबंध में शिकायतों को सुना गया तथा समस्याओं को सुलझाते हुए पति–पत्नी को साथ रहने के लिए समझाया गया । जिसमें 01 विवाहित जोड़ा राजी खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गया

अधेड़ ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान

अमेठी। जिले में 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपन बेटे और बहू की प्रताड़ना से परेशान होकर मंगलवार रात ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान लालजी सिंह (50) के रूप में हुई है और वह गौरीगंज थानाक्षेत्र के असुर गांव का रहने वाला था।पुलिस के मुताबिक, मृतक की जेब से एक 'सुसाइड नोट' भी मिला, जिसमें व्यक्ति ने अपने बेटे और बहू पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।गौरीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मामला रेलवे क्षेत्र का था, जिस कारण शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि नियमानुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रतापगढ़ ले जाया गया है।

समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ूँगा–शिव प्रसाद यादव

अमेठी। समाज वादी पार्टी नेता शिव प्रसाद यादव उर्फ बीआरसी ने अमेठी मे बुधवार को कहा कि सपा के टिकट सेआविधान सभा चुनाव लडना तय है। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तय कर लिया है । कि इस बार यादव को ही टिकट देगे। सपा से बहुत बडी जिम्मेदारी मिली है। समाज वादी पार्टी के शिक्षक नेता शिव प्रसाद यादव ने कहा कि अमेठी विधायक महराजी देवी प्रजापति ने सपा के विश्वास घात किया। उन्होने सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आदेश का उल्लंघन किया। पार्टी के विरोध करने के चलते इस बार विधायक को टिकट नही देगी। उन्होने कहा कि इस बार सपा यादव को टिकट देगी। और सपा अमेठी मे जीत सुनिश्चित है।

छत के रास्ते घुसे चोर, 7 लाख के जेवर और नकदी लेकर फरार

अमेठी। जिले के संग्रामपुर क्षेत्र के डेवणसा पूरे मुहिबशाह में मंगलवार रात अज्ञात चोरों ने एक घर से करीब 7 लाख रुपये के नकदी और आभूषण चुरा लिए। घटना के समय घर में अकेली महिला मौजूद थी.सूचना मिलने पर संग्रामपुर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच कियापीड़िता ज्योति वर्मा ने बताया कि उनके पति अमरदीप वर्मा और देवर–देवरानी घर से बाहर रहते हैं.मंगलवार रात करीब 9रू30 बजे खाना खाने के बाद उन्होंने सभी कमरों में ताला लगाकर बरामदे में सो गईं.सुबह 5रू30 बजे उठने पर उन्होंने देखा कि घर के सभी कमरों के ताले खुले थे और अलमारी व पेटियों का सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था.चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए.उन्होंने दीवार पर टंगी चाभी का इस्तेमाल कर ऊपर के दो और नीचे के तीन कमरों सहित कुल पांचों कमरों के ताले खोले.इसके बाद अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया.चोरी हुए सामान में 10 हजार रुपये नकद, चांदी की दो करधन, सोने के झुमके, सोने के दो टॉप, सोने के तीन मंगलसूत्र, चांदी की हाथ मेहंदी और तीन जोड़ी पायल शामिल हैं.उनकी देवरानी की एक सोने की नथुनी, बिछुआ की एक जोड़ी और एक सोने का मंगलसूत्र भी चोरी हुआ है। कुल मिलाकर लगभग 7 लाख रुपये के आभूषण और नकदी की चोरी हुई है. घटना की सूचना 112 पीआरबी पुलिस को दी गई। संग्रामपुर इंस्पेक्टर अखिलेश सिंह और फोरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची. फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट सहित अन्य साक्ष्य जुटाए.थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा.

भाइया दूज की जनता को बधाई–संघ विचारक गायत्री प्रसाद उपाध्याय

अमेठी। संघ विचारक पंडित गायत्री प्रसाद उपाध्याय ने भाइया दूज की बधाई दी ।उन्होने कहा कि भाई वहिन की रक्षा का संकल्प ले। और समाज मे भेदभाव को दूर करे। आपसी भाई चारा को बढवा दे। धर्म की रक्षा के लिए समाज को आगे आना होगा। समाज की विक्रीत को दूर करना होगा। संघ विचारक पंडित गायत्री प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ समारोह के आयोजन मे लोगो का अतुलनीय सहयोग मिला। हम भृगु वंशज और समाज के प्रति आभार व्यक्त करते है। ऐसे कार्यक्रम से समाज नही दिशा देता है।

व्यक्ति ने किया सुसाइड

नोएडा,संवाददाता। थाना सेक्टर 49 स्थित अगाहपुर में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। व्यक्ति की पहचान कार्तिक मंडल के रूप में हुई है। इसकी उम्र करीब 30 साल थी। पुलिस ने बताया कि जिस समय इसने सुसाइड किया घर पर कोई नहीं था। पत्नी मायके गई हुई थी।

सोहनलाल श्रीमाली को पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर शैलेंद्र अग्निहोत्री ने किया स्वागत सम्मान

लालगंज रायबरेली,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व में एक बार फिर से सोहनलाल श्रीमाली को उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनाकर उन पर भरोसा जताया है। सोहनलाल श्रीमाली के उपाध्यक्ष बनने पर सरेनी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी और पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख शैलेंद्र अग्निहोत्री ने उनका स्वागत सम्मान करते हुए उन्हें जोरदार बधाई दी है। शैलेंद्र अग्निहोत्री ने कहा है कि श्रीमाली के पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनने पर भारतीय जनता पार्टी की अति पिछड़े वर्गों में पैठ बनेगी। शैलेंद्र अग्निहोत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा नेतृत्व का भी श्रीमाली को उपाध्यक्ष बनाए जाने पर आभार जताया है।वही राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त आयोग के उपाध्यक्ष सोहनलाल श्रीमाली ने भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी में ही पिछड़ों का सम्मान सुरक्षितहै। भारतीय जनता पार्टी बिना किसी भेदभाव के सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य के अनुसार काम करती है। उन्होंने कहा कि 2027 में फिर से प्रदेश में योगी की ही सरकार बनेगी।

24 घंटे में 26 आग लगी,आग में घरों का सामान जला, लोगों को सुरक्षित निकाला

नोएडा,संवाददाता। नोएडा में 24 घंटे में आग की 26 आग की घटनाएं हुई। इनमें घरों, फ्लैटों, दुकानों, फैक्ट्रियों, वाहनों एवं झोपड़ियों आदि में लगी आग की घटनाएं शामिल थी। सभी घटनाओं पर अग्निशमन विभाग ने काबू पाया। फायर स्टेशनों की टीमों द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आग पर नियंत्रण किया गया। जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। इन घटनाओं पर फायर स्टेशन फेज–1, फेज–2, फेज–3, ईकोटेक–1, ईकोटेक–3, ग्रेटर नोएडा, नॉलेज पार्क, गौर सिटी यूनिट एवं सेक्टर–58 की यूनिटों ने तत्परता से कार्य करते हुए आग पर काबू पाया। केन्द्रीय विहार फ्लैट नं. बी–38, सेक्टर–51, नोएडा में आग लगने एवं एक महिला के फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर फायर स्टेशन फेज–3 से एक यूनिट तथा सेक्टर–58 व फेज–1 से एक–एक यूनिट तत्काल रवाना की गई। घटनास्थल पर पहुंचने पर मकान में अत्यधिक धुआं पाया गया। स्थानीय लोगों द्वारा महिला को

सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। फायर कर्मियों ने बीए सेट पहनकर जहरीले धुएं में प्रवेश किया और किचन में रखे गैस सिलेंडर को बाहर निकालते हुए आग को पूर्ण रूप से बुझाया। फायर स्टेशन ईकोटेक–1 को साइट–5, प्लॉट नंबर डी–200 एवं 201, कासना, ग्रेटर नोएडा स्थित गत्ता फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर ईकोटेक–1 एवं ग्रेटर नोएडा से एक–एक फायर यूनिट रवाना की गई। टीमों ने संयुक्त रूप से त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को नियंत्रित कर अन्य स्थानों पर फैलने से रोका। प्लॉट नं. डी–77, साइट–4, कासना, ग्रेटर नोएडा स्थित सेनेट्री, शोरूम परिसर में आग लगने की सूचना मिली। फायर स्टेशन ग्रेटर नोएडा से कुल चार फायर यूनिटों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर प्रथम, द्वितीय तल व टैरिस पर लगी आग को लगभग छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पूरी तरह से नियंत्रित किया गया। फायर टीम ने आग को आस–पास के भवनों तक फैलने से रोकते हुए जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित की। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सेक्टर–76 नोएडा स्थित आदित्य सेलिब्रिटी होम्स की एक फ्लैट बालकनी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर फायर स्टेशन फेज–3 से यूनिट तत्काल रवाना हुई और स्थानीय लोगों की सहायता से आग को बुझाया गया। यूनिट के वापस लौटते समय सेक्टर–74 स्थित अजनारा हेरिटेज सोसायटी में दो अलग–अलग स्थानों (जे ब्लॉक एवं के ब्लॉक) पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। तत्काल यूनिट वहां पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों फ्लैटों की बालकानियों में लगी आग को पूरी तरह से बुझाया गया। फायर स्टेशन फेज–1, नोएडा को सेक्टर–6, प्लॉट नंबर ई–18 स्थित फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। सूचना पर तीन फायर यूनिटों ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को नियंत्रित किया और फैक्ट्री के अन्य भागों को क्षति से सुरक्षित रखा।

लब्धि व बुद्धि के दाता है महावीर के प्रथम गणधर गौतम स्वामी: अध्यात्मश्रीजी मसा

बाड़मेर। जैन धर्म के 24 तीर्थंकर, अहिंसा के अवतार श्री महावीर स्वामी के 2552वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष में बुधवार को प्रातः में प' पू. साध्वीश्री भावगुणश्रीजी मसा के सुशिष्या साध्वीश्री अध्यात्मगुणाश्री जी मसा की पावन निश्रा व सकल संघ की उपस्थिति में महावीर वाटिका के पावन प्रांगण में गौतम रास का वांचन व वीर प्रभु को लड्डू चढ़ाने का मांगलिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जैन श्री संघ, बाड़मेर के महामंत्री किशनलाल वडेरा ने बताया कि तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी के 2552वें निर्वाण दिवस पर बुधवार को महावीर वाटिका प्रांगण में प. पू. साध्वी श्री भावगुणाश्रीजी म.सा. की सुशिष्या साध्वीश्री अध्यात्मगुणाश्रीजी मसा की पावन निश्रा में गौतम रास का वांचन तथा परमात्मा को लड्डू चढ़ाने का परम्परागत मंगल कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आगाज साध्वीश्री के चरणों में सामूहिक गुरूवन्दन से हुआ। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा परमात्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन हुआ। कार्यक्रम में महावीर वाटिका के महावीर जिनालय के वार्षिक चढ़ावों के लाभार्थी परिवारों का जैन श्रीसंघ, बाड़मेर की ओर से मान–सम्मान, बहुमान किया गया। जैन श्रीसंघ, बाड़मेर के अध्यक्ष एडवोकेट अमृतलाल जैन ने सभी जैन बन्धुओं का स्वागत करते हुए कहा कि परमात्मा श्री महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष में परम्परा अनुसार प्रतिवर्ष परमात्मा को लड्डू चढ़ाया जाता है तथा गुरू भगवन्तों के श्रीमुख से श्री गौतम रास का श्रवण किया जाता है। यह हमारी धार्मिक परम्परा का अभिन्न अंग है। साध्वीश्री अध्यात्मगुणाश्री जी मसा ने अपने मंगल प्रवचन में श्री गौतम रास का वांचन करते हुए तीर्थंकर महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक और उनके प्रथम गणधर श्री गौतम स्वामी के केवलज्ञान का विस्तार पूर्व वर्णन प्रस्तुत किया और एक जैनी के जीवन में गौतम रास जैसे अद्भूत व जीवनपरक ग्रन्थ का महत्व बताया । साध्वीश्री ने अपने मांगलिक में कहा कि महावीर स्वामी के प्रथम गणधर, केवली श्री गौतम स्वामी लब्धि व बृद्धि के दाता है। हमें उनके बताये पथ पर चलकर अपने जीवन का कल्याण व उद्धार करना चाहिये। साध्वीश्री के मंगल प्रचवन के बाद तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी, श्री गौतम स्वामी व श्री नाकोड़ा भैरव देव को लाभार्थी श्री पीरचंद हंजारीमल जी वडेरा परिवार की ओर से बाबुलाल वडेरा, किशनलाल वडेरा, भूरचन्द वडेरा सहित वडेरा परिवार के श्रावक–श्राविकाओं ने सकल संघ की उपस्थिति में लड्डू चढ़ाया गया। कार्यक्रम का संचालन जैन श्रीसंघ, बाड़मेर के महामंत्री किशनलाल वडेरा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जैन समाज के गणमान्य नागरिक, माताएं–बहिनें उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

योगी सरकार की मंशा के अनुसार लालगंज पुलिस ने गरीबों को मिठाई व उपहार देकर किया सराहनीय कार्य

लालगंजरायबरेली,संवाददाता। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह के निर्देश और योगी सरकार के मंसा के अनुसार लालगंज पुलिस ने क्षेत्र के गरीबों को दीपावली त्यौहार पर मिठाई व उपहार देकर सराहनीय कार्य किया है। सीओ अमित सिंह और

प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने दीपावली के पावन अवसर पर जरूरतमंद लोगों को खुशियों का तोहफा दिया है। उन्होंने मिठाई, पटाखे और अन्य सामग्री देकर लोगों को खुशियों की सौगात दी है।लालगंज कोतवाली पुलिस की इस पहल की लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस ने जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का काम किया है। यह पहल न केवल लोगों को खुशियां दे रही है, बल्कि पुलिस और समाज के बीच के संबंधों को भी मजबूत बना रही है।क्षेत्राधिकारीअमित सिंह ने कहा कि पुलिस की इस पहल के पीछे का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को खुशियां देना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना है। वहीं प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंसा के अनुसार हम लोगों ने गरीबों को मिठाई व उपहार बांटा है। व्यापार मंडल और जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने पुलिस के द्वारा गरीबों को मिठाई बांटने पर खुशी जताई है।

नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने विभागीय कर्मचारियों सहित अन्य लोगों को वितरित की दीपावली की मिठाई

लालगंज रायबरेली,संवाददाता। कांग्रेस के जिला कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता और नगर पंचायत लालगंज की सम्मानित अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता ने दीपावली के त्योहार पर विभागीय कर्मचारियों सहित अन्य लोगों को मिठाई बताकर सराहनीय कार्य किया है। लालगंज नगर पंचायत चेयरमैन के इस पुनीत कार्य की सभी लोग सराहना कर रहे हैं। नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों मुन्नू और राजा ने कहा कि अध्यक्ष जी ने सभी को दीपावली पर मिठाई देकर गरीबों के चेहरे पर खुशहाली लाने का कार्य किया है। वहीं वरिष्ठ लिपिक शिव शंकर मिश्रा, मनोज दीक्षित आदि ने भी नगर पंचायत अध्यक्ष के इस पावन कार्य की सराहना की है। जिला कांग्रेस के कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता ने कहा कि दीपावली त्यौहार हम सब का पावन त्यौहार है।

भेटुआ चौराहा पर सामुदायिक मिलन केंद्र की मांग

अमेठी। जिले मे भेटुआ चौराहा किसी के परिचय का मोहताज नही है। बिकास खण्ड की क्षमता रखने वाला उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार मे अपना दखल देने मे मशहूर है। लेकिन राजनीति की उठा पटक मे भेटुआ पीछे छूट जाता है। बिकास खण्ड भेटुआ गांव से पन्द्रह किलोमीटर दूर ग्राम नवगिरवा मे सत्तर के दशक स्थापित हो गया। अब भेटुआ चौराहा पर जर्जर राजकीय कृषि बीज भण्डार,बहुउद्देशीय साधन सहकारी समिति,अर्ध निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लौकापुर का भवन दिख रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेटुआ सत्तर के दशक से संचालित है। जमीन की उपलब्धता के चलते भूमि अधिग्रहण होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लौकापुर भेटुआ(बजट के अभाव मे निर्माणाधीन) ,कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय भेटुआ, राजकीय इण्टरमीडियेट कालेज भेटुआ (निर्माणाधीन) है। यूनियन बैंक भरेथा मे संचालित है। शाखा डाकघर की मांग अर्से से मांग चल रही है। अब जनता की जागरूकता के लिए एक मंच की सुविधा नही है। सामुदायिक मिलन केंद्र के स्थापना करने की मांग सांसद,बिधायक,एम एल सी से की है। ताकि ग्रामीण विकास सम्भव हो सके। गोष्ठी,चौपाल,नुक्कड नाटक,कठपुतली नृत्य,बिरहा,नौटंकी,सेमिनार,प्रशिक्षण आदि को एक मंच मिलेगा। ग्रामीणो ने शासन प्रशासन से सामुदायिक मिलन केंद्र के स्थापना की मांग शीघ्र किया है। प्रधान कुमुदलता,प्रधान प्रवीण कुमार मौर्य, प्रधान दिलीप कनौजिया, प्रधान राम सजीवन यादव, प्रधान आशा देवी, प्रधान आभा कनौजिया, प्रधान पवन कुमार सिंह,प्रधान सीमा सिंह, प्रधान ममता यादव,ब्लाक प्रमुख भेटुआ आकर्ष शुक्ल ने भी शासन प्रशासन से सामुदायिक मिलन केंद्र की मांग किया है।

मिसरौली –भेटुआ मार्ग के पैच निर्माण मे बजट का अभाव

अमेठी। लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड इकाई अमेठी परिक्षेत्र के अन्तर्गत मिसरौली–भेटुआ मार्ग की दूरी 6–150 किलोमीटर है। लेकिन पैच निर्माण कार्य मे बोल्डर की कमी है।बजट के अभाव के चलते सड़क मार्ग निर्माण मे मानक की कमी चल रही है। जर्जर पर लोगो का आवागमन है। अवर अभियन्ता उदासीन है। सड़क के किनारे ग्राम मिसरौली,तुलापुर ,स्वामी शान्तानन्द पुजारी इण्टरमीडियेट कालेज तुलापुर के आसपास सडक पर पैच नही बना। बोल्डर की कमी से कुटाई नही हुई। यही हाल ग्राम भरेथा,देवरहा,पूरे गेदाई ,भेटुआ के आसपास मार्ग जर्जर पडा है। भाजपा किसान मोर्चा अमेठी जिलाध्यक्ष देव नारायण तिवारी,भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति युवा जिलाध्यक्ष शशिकांत तिवारी,कांग्रेस किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सूर्य भान तिवारी ने सडक जर्जर है। निर्माण कार्य की शासन प्रशासन जांच पड़ताल कराये। दोषी दण्डित हो।

धारदार हथियार से मारपीट में महिला गंभीर

उदयपुर,, स्थानीय थाना क्षेत्र के पूरे उपाई राजापुर गांव निवासी राजकुमार पुत्र शिवदर्शन ने थाने पर तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि मंगलवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे मेरी पत्नी तथा बच्चे दरवाजे पर थी इसी बीच गांव के राहुल पुत्र राम प्यारे राकेश पुत्र धर्मराज, राकेश की पत्नी जगतारा देवी, तथा राम प्यारे की पत्नी राधा पुरानी रंजिश को लेकर एक जुट होकर आई भद्दी भद्दी गालियां देने लगी स जब प्रेमा देवी विरोध किया।

सीरीज में वापसी करने उतरेगा भारत

कुलदीप को मिलेगी जगह या एकादश में नहीं होगा बदलाव ?

एडिलेड। एडिलेड ओवल में चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को एडिलेड में तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम फिलहाल सीरीज में 0–1 से पिछड़ी हुई है और उसकी नजरें वापसी करने पर टिकी होंगी। भारत का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे में रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन टीम अपनी पिछली गलतियों में सुधार कर ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में खेले गए पिछले मैच में बारिश का साया था और मैच 26–26 का कराया जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह है कि एडिलेड में बारिश की संभावना कम है। वहीं, एक बार फिर से सभी की निगाहें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके सीरीज बराबर करने में अपना योगदान देना चाहेंगे। ये दोनों खिलाड़ी पहले मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके थे। पर्थ में प्रभावित नहीं कर सके थे भारतीय गेंदबाज पर्थ वनडे में भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाए थे लेकिन मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल जैसे गेंदबाजों को केवल 131 रन के लक्ष्य का बचाव करना था जो आसान काम नहीं था। एडिलेड ओवल में भी चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। उम्मीद की जा रही है कि पर्थ की तुलना में एडिलेड में बल्लेबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है। प्लेइंग–11 में बदलाव की

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर दोनों टीमों के बीच वनडे के आंकड़े

कुल मैच	55
भारत जीता	14
ऑस्ट्रेलिया जीता	39
बेनतीजा	02

कितनी संभावना? इस बात की पूरी संभावना है कि भारत दूसरे मैच में भी उसी 11 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा जो पहले मैच में खेले थे। वाशिंगटन सुंदर की जगह कुलदीप यादव गेंदबाजी में अच्छे विकल्प होते लेकिन एडिलेड ओवल की बाउंड्री छोटी हैं और यहां कलाई का यह स्पिनर रन लुटा सकता है। अगर टीम एक अतिरिक्त स्पिनर को लेने का सोचेगी तो किसी तेज गेंदबाज की जगह कुलदीप को मौका मिल सकता है। हालांकि, इसकी संभावना बेहद कम है। रोहित–कोहली ने जमकर किया अभ्यास पिछले मैच में विफल रहे रोहित और कोहली ने दूसरे वनडे से पहले नेट्स पर जमकर अभ्यास किया। रोहित एडिलेड ओवल के अभ्यास मैदान में कम से कम 45 मिनट पहले पहुंच गए, जबकि कुछ अन्य सदस्य वैकल्पिक नेट सत्र के लिए उनके साथ शामिल हुए। रोहित ने जहां जमकर अभ्यास किया वहीं कोहली ने मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताने के बाद विश्राम किया। ऑस्ट्रेलिया टीम में जांपा की वापसी ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच के हीरो बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन को रिलीज कर दिया है और अनुभवी लेग–ब्रेक गेंदबाज एडम जांपा अपने बच्चे के जन्म के बाद वापस आ गए हैं।

खुद से एशिया कप ट्रॉफी सौंपने की मांग पर अड़े मोहसिन नकवी

कराची। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे अपने जवाब में नकवी ने बताया कि वह दुबई में 10 नवंबर को एक समारोह आयोजित करना चाहते हैं जिसमें बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध सदस्य आकर उनसे ट्रॉफी ले। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले महीने होने वाली आईसीसी की बैठक में आमने–सामने हो सकते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने खुद से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने की मांग पर अड़े हुए हैं। मालूम हो कि नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के भी अध्यक्ष हैं। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था, लेकिन टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने नकवी से ट्रॉफी देने कहा बीसीसीआई ने हाल ही में नकवी को ट्रॉफी सौंपने के लिए ई–मेल लिखा था। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे अपने जवाब में नकवी ने बताया कि वह दुबई में 10 नवंबर को एक समारोह आयोजित करना चाहते हैं जिसमें बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध सदस्य आकर उनसे ट्रॉफी ले। नकवी ने अपने जवाब में लिखा, एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और इसे तब तक ट्रस्ट में रखा जाएगा जब तक कि बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। इसके लिए भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए।

किस तरह भारतीय टीम के संयोजन में बने रह सकते हैं सरफराज खान ?

नई दिल्ली। सरफराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया था और अब उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम में जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम के बल्लेबाज सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम में जगह नहीं बना पा रहे हैं। सरफराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया था और अब उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम में जगह नहीं मिली है। सरफराज की अनदेखी से सोशल मीडिया पर फैंस का गुस्सा देखने मिला और प्रशंसकों ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को आड़े हाथों लिया था। सरफराज ने पिछली बार भारत ए के लिए कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 92 रन की पारी खेली थी और पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के दौरान वह बंगलूरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। मंगलवार को जब राष्ट्रीय चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच के लिए भारतीय टीम का चयन किया तो बुधवार को अपना 28वां जन्मदिन मनाने वाले सरफराज का नाम ऋषभ पंत की अगुआई वाली दो अलग–अलग टीम में नहीं था। सरफराज को मौका नहीं मिलने से हैरत में पड़े फैंस सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में दम दिखाया और पिछले कुछ दिनों में अपना वजन भी कम कर लिया है। इसके बावजूद उन्हें मौका नहीं मिलने से फैंस हैरत में हैं। हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है और अगर अजीत अगरकर और भारतीय टीम प्रबंधन के नजरिए से इस फैसले को देखा जाए तो यह उतना विवादास्पद नहीं लगेगा जितना सोशल मीडिया इसे बना रहा है। ऐसे में सवाल यह उठते हैं कि क्या सरफराज टीम संयोजन की योजना में फिट नहीं बैठ रहे? किस स्थान पर खेल सकते हैं सरफराज? समझा जाता है कि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर रहे पंत दोनों मैच में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे जो आमतौर पर भारतीय टीम में उनका स्थायी स्थान भी है। चयनकर्ताओं के बीच एक विचारधारा यह है कि सरफराज को केवल उसी स्थान पर आजमाया जाना चाहिए जहां भारतीय टीम प्रबंधन अब भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है और फिलहाल बी साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। सुदर्शन दोनों मैच के लिए भारत ए टीम का हिस्सा हैं।

डीआरआई ने पांच करोड़ रुपये के चीनी पटाखों की तस्करी नाकाम की, चार गिरफ्तार

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर 5.01 करोड़ रुपये मूल्य के चीनी पटाखों की तस्करी नाकाम की और चार लोगों को गिरफ्तार किया। वित्त मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। डीआरआई अधिकारियों ने ऑपरेशन फायर ट्रेल के तहत तूतीकोरिन बंदरगाह पर कंटेनरों को रोका। इन कंटेनरों में 83,520 चीनी पटाखे पाए गए, जिन्हें इंजीनियरिंग सामान बताकर गलत तरीके से लाया गया था। डीआरआई अधिकारियों ने 14–18 अक्टूबर के दौरान चले इस अभियान के तहत तूतीकोरिन में आयातक को गिरफ्तार किया और जांच के आधार पर, चेन्नई और तूतीकोरिन से तीन अन्य व्यक्तियों (मुंबई के दो व्यक्तियों सहित) को गिरफ्तार किया। चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पटाखों का आयात प्रतिबंधित है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत डीजीएफटी और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से लाइसेंस लेना आवश्यक है।

वेणु श्रीनिवासन और मेहली मिस्त्री की जीवनकाल ट्रस्टी नियुक्ति: टाटा सन्स की स्थिरता को मजबूती

इस सप्ताह टाटा ट्रस्ट्स के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, क्योंकि सीनियर ट्रस्टी वेणु श्रीनिवासन और मेहली मिस्त्री की नियुक्तियों का नवीनीकरण प्रस्तावित है। बता दें कि, एक बार इनकी नियुक्ति मंजूर होने के बाद ये ट्रस्टी जीवनभर के लिए अपने पद पर बने रहेंगे, जिससे टाटा समूह की रणनीतिक स्थिरता और संचालन में निरंतरता सुनिश्चित होगी हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, शनिवार को टाटा ट्रस्ट्स ने एक प्रस्ताव बोर्ड में भेजा, जिसमें वेणु श्रीनिवासन की सर डोराबजी टाटा ट्रस्ट (SDTT) में ट्रस्टी और उपाध्यक्ष के पद की अवधि नवीनीकरण के लिए पेश की गई। गौरतलब है कि SDTT टाटा ट्रस्ट्स के सबसे प्रभावशाली घटकों में से एक है और इसके निर्णय समूह की परोपकारी और कॉर्पोरेट नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालते हैं। वहीं, मेहली मिस्त्री की ट्रस्टीशिप भी नवीनीकरण के दौर में है, जो आने वाले वर्षों में ट्रस्ट्स के रणनीतिक दिशा–निर्देशन को आकार देगी हैं। इस सप्ताह का बोर्ड मीटिंग और प्रस्ताव का परिणाम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वेणु श्रीनिवासन की मौजूदा अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है। यदि नवीनीकरण अनुमोदित होता है, तो उनकी प्रभावशीलता ट्रस्ट्स में और मजबूत होगी, जो टाटा समूह की परोपकारी पहलों और टाटा सन्स के संचालन में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। टाटा ट्रस्ट्स टाटा सन्स के सबसे बड़े शेयरधारक हैं और समूह की रणनीतिक दिशा और मूल्यों को नियंत्रित करते हैं। जीवनकाल की नियुक्तियों के माध्यम से स्थायी नेतृत्व सुनिश्चित करना समूह की दीर्घकालिक स्थिरता और बोर्ड संरचना में निरंतरता बनाए रखने में मदद करता हैं। वर्तमान में टाटा सन्स के लिस्टिंग के मुद्दे और बोर्ड में संभावित नए नामों जैसे उदय कोटक और बहराम वकील पर चर्चा चल रही है, और ट्रस्ट्स की यह रणनीति समूह की गवर्नेंस और परोपकारी विरासत को बनाए रखने का संकेत देती हैं। बता दें कि, टाटा ट्रस्ट्स का बोर्ड न केवल बड़े पैमाने पर परोपकारी पहलों की निगरानी करता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से टाटा सन्स के व्यापारिक निर्णयों और नेतृत्व नियुक्तियों पर भी प्रभाव डालता हैं। ट्रस्टी की जीवनकाल नियुक्ति समूह की दृष्टि, मूल्यों और संचालन में निरंतरता सुनिश्चित करती हैं, जिससे बाहरी बदलावों का न्यूनतम प्रभाव पड़ता हैं। इस प्रकार, वेणु श्रीनिवासन और मेहली मिस्त्री की नियुक्तियों का नवीनीकरण टाटा ट्रस्ट्स और विशेष रूप से ट्रस्ट्स में नेतृत्व स्थिरता और रणनीतिक स्थायित्व को मजबूत करेगा, जो समूह की परोपकारी और कॉर्पोरेट विरासत को आने वाले वर्षों तक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा हैं।

संक्षिप्त

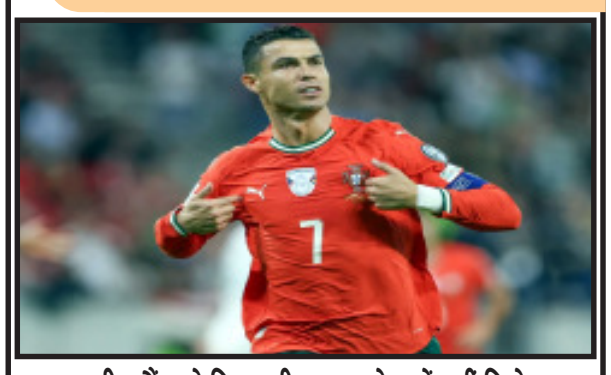

भारतीय फैंस के लिए बुरी खबर, गोवा में नहीं दिखेगा क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जलवा, अल-नस्त्र ने की पुष्टि

सऊदी प्रो लीग टीम अल नस्त्र एफसी ने हफ्तों की अटकलों पर विराम लगाते हुए पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के फैंस को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, रोनाल्डो बुधवार को गोवा में इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चौंपियंस लीग टू ग्रुप मैच में नहीं खेलेंगे। फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले मैच से पहले सऊदी टीम बीती 20 अक्तूबर की रात को गोवा पहुंची। मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को अल–नस्त्र के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि रोनाल्डो बाकी टीम के साथ नहीं गए क्योंकि उन्हें गेम टाइम मैनेज के लिए आराम दिया गया है। रोनाल्डो की अनुपस्थिति के बावजूद सऊदी प्रो लीग टीम अभी भी सितारों से सजी एक टीम उतार सकती है। इसमें लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने, एटलेटिको मैड्रिड के पूर्व मिलफील्डर जोआओ फेलिक्स और बायर्न म्यूनिख के पूर्व विंगर किंग्सले कोमन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस मैच में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। इस हाई–प्रोफाइल मैच की सुरक्षा व्यवस्था के लिए कम से कम 600 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। साउथ गोवा के पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हरिश्चंद्र वी, मडकाइकर ने बताया कि एक व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि, आतंकवाद निरोधी दस्ता, पिंक फोर्स, पुलि, नियंत्रण कक्ष वैन और एक आईआरबी प्लाटून तैनात की जाएगी। सीसीटीवी युक्त एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए निकासी योजना तैयार की गई है।

सीधा फाइनल के लिए खेलेगी पुणेरी पल्टन, प्रो कबड्डी लीग की अंक तालिका की पूरी जानकारी

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आयोजन अब अपने आखिरी सफर पर पहुंच गया है। इस सीजन में कुल 12 टीमें खेल रही हैं। हर टीम लीग स्टेज में 18–18 मैच खेलेंगी। मतलब लीग स्टेज में कुल 108 मैच खेले जाएंगे। बुधवार, 15 अक्तूबर तक 87 मैच खेले जा चुके हैं। 21 मैच खेले जाने हैं लेकिन टॉप 2 में पुणेरी पल्टन ने अपना स्थान पक्का कर लिया है। प्रो कबड्डी लीग 2025 में लीग स्टेज के मुकाबले 23 अक्तूबर तक खेले जाएंगे। सभी मैच दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। फॉर्मेट की बात करें तो सभी टीमें 18–18 मैच खेलेंगी। अंक तालिका में टॉप–2 पर जो टीमें होंगी। उन्हें सीधा फाइनल में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। यानी दोनों के बीच क्वालिफायर 1 खेला जाएगा। जीतने वाली टीम फाइनल में जाएगी और हारने वाली को एक और मौका मिलेगा। अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान की टीम मिनी क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि 5वें और 8वें स्थान की टीम प्ले इन के क्वालीफाई करेंगी। 9 से 12वें स्थान की टीमों का सफर लीग स्टेज से ही खत्म हो जाएगा। अंक तालिका के बाद आपको प्रो कबड्डी लीग के फॉर्मेट की डिटेल में जानकारी दी गई है।

लियोनेल मेसी ने 38 की उम्र में बिखेरा जादू

लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5–2 से जीत हासिल की। मेसी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2025 एमएलएस सीजन का गोल्डन बूट जीत लिया है। पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6–2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। लियोनेल मेसी ने अपना पहला गोल 34वें मिनट पर दागा था। इसके बाद दूसरा गोल उन्होंने 63वें मिनट पर पेनल्टी से किया। इसके बाद 81वें मिनट पर मेसी ने तीसरा गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा इंटर मियामी के लुए बाल्तासार रोड्रिगेज ने 67वें मिनट पर गोल किया। वहीं तेलास्को सेगोविया ने 90 प्लस 1 मिनट पर इंटर मियामी के लिए पांचवां और आखिरी गोल किया।

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर आईसीसी बैठक में बीसीसीआई और पीसीबी के बीच टकराव की संभावना

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं।बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे गए जवाब में नकवी ने जोर देकर कहा है कि वह 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित करने के इच्छुक हैं, जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी ले सकता है। नकवी ने अपने जवाब में लिखा, ''एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और यह तब तक एसीसी मुख्यालय में रखी रहेगी जब तक बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता।'' उन्होंने कहा,''इसके लिए भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए और कोई भी ऐसी मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं।'' आईसीसी के अध्यक्ष बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। नकवी का यह जवाब बीसीसीआई द्वारा एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर एसीसी को लिखे गए पत्र के बाद आया है। अफगानिस्तान और श्रीलंका के बोर्ड ने भी इस मामले में भारतीय बोर्ड का समर्थन किया है। इस प्रतिक्रिया से बीसीसीआई और पीसीबी के बीच अविश्वास और तनाव का स्तर स्पष्ट रूप से पता चलता है। नकवी ने अपने जवाब में कहा, ''जहां तक ध्आपके पत्र के शेष भाग का सवाल है।

सम्पादकीय

जीवन बचाने की पहल

देश में यदि अंगदान हेतु जागरूकता व प्रेरणादायक राष्ट्रव्यापी मुहिम चलाई जाए तो हर साल हम लाखों जिंदगियां बचा सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि देश में इसके लिये सरकार व समाज के स्तर पर गंभीर पहल अब तक नहीं की गई। वहीं कई अंधविश्वास और धार्मिक रूढ़िवादिता के चलते लोग अपने परिजनों के निधन पर अंगदान करने से परहेज करते हैं। विडंबना यह है कि देश में दशकों से इस मुद्दे पर चर्चा करने के बावजूद आज दस लाख लोगों पर सिर्फ 0.9 अंगदाता हैं, जबकि एक छोटे से देश स्पेन का उदाहरण लें तो वहां यह दर तीस से ज़्यादा है। यही वजह है कि जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों मरीज अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में मर जाते हैं। वहीं कई अन्य लोग अंग प्रत्यारोपण न हो पाने के कारण जीवन पर्यंत विकलांगता का जीवन जीने को अभिशप्त रहते हैं। इस राष्ट्रीय चुनौती को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने सभी अस्पतालों को अपने आईसीयू में अंग और ऊतक दान को प्रेरित करने वाली टीमें तैनात करने के निर्देश दिए हैं। निश्चित रूप से यह जरूरी है और समय की मांग भी है। इस दिशा में दशकों से प्रयासरत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन एनओटीटीओ ने अब हर अस्पताल से ब्रेन–स्टेम डेथ कमेटी के सदस्यों और परामर्शदाताओं वाली एक समर्पित टीम बनाने का आग्रह किया है, जो मृतकों के परिवारों को इस प्रक्रिया में भागीदारी के लिये मार्गदर्शन करेगी। यह एक जरूरी कदम है क्योंकि समय पर परामर्श, जागरूकता और समन्वय के अभाव में हम उपयोग में आने वाले अंगों के दान से वंचित हो जाते हैं। हम अक्सर देखते हैं कि जब तक शोकसंतप्त परिवारों से संपर्क किया जाता है, तब तक अंग या ऊतक की पुनर्प्राप्ति का रास्ता हमेशा के लिये बंद हो चुका होता है। निश्चित रूप से इस दिशा में सार्वजनिक शिक्षा और पारदर्शी व्यवस्थाएं इस विश्वास की कमी की खाई को पाट सकती हैं। निस्संदेह, सरकारी निर्देश ही समस्या का समाधान नहीं है। कई अस्पतालों, खासकर छोटे शहरों में, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों, प्रशिक्षित आईसीयू कर्मचारियों और यहां तक कि अंगों के संरक्षण और परिवहन के लिये बुनियादी ढांचे का भी नितांत अभाव होता है। इस दिशा में गंभीर पहल न हो पाने के कारण अंग प्रत्यारोपण के मामले में निजी क्षेत्र के अस्पताल ही अभी आगे हैं, जबकि सरकारी अस्पताल इस दिशा में पिछड़ गए हैं। सरकारी अस्पतालों में अंगदान करने के लिये शोकसंतप्त परिवारों को प्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण, संसाधन जुटाने तथा प्रोत्साहन के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन जुटाने की जरूरत है। जब वित्तीय मदद और अन्य सुविधाएं नहीं होंगी, तब सरकारी निर्देश भी इस दिशा में निष्प्रभावी रहेंगे। सबसे महत्वपूर्ण इस दिशा में लोगों का विश्वास अर्जित करना है। उन्हें बताना होगा कि मृत देह का यदि किसी को जीवन देने के रूप में उपयोग हो पाए तो वह ऋषिकर्म जैसा होगा। फिर खो चुके परिजन के अंग को भी वे इस कार्य से किसी अन्य शरीर में जीवंत रूप में देख सकेंगे। निस्संदेह, यह एक पुण्य का कार्य है जो मृतक परिजन की आत्मा को भी शांति देगा। विडंबना यह है कि भारत में आज भी अंगदान के विचार के साथ कई तरह के मिथक, भय और गलत जानकारियां जुड़ी हैं, जिसके चलते मृत व्यक्ति के परिजन अंगदान की पहल से गुरेज करते हैं। हमें इस दिशा में प्रगतिशील सोच के साथ जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। हमें सतही अनुष्ठानों से आगे बढ़कर मानव कल्याण के लिये आगे आना चाहिए। इस अभियान को हमें एक सहानुभूतिपूर्ण प्रचार–प्रसार के जरिए आगे बढ़ाना होगा। लोगों को बताना होगा कि यह सिर्फ दान ही नहीं, मानवता के प्रति करुणा का भाव जगाना भी है। निस्संदेह, सरकार की पहल और निर्देश एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास के रूप में विकसित करना जरूरी होगाकृएक ऐसा प्रयास जो इस नीति को सहानुभूति व अंगदान को मानवता के कार्य से जोड़ सके। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से ही मृत्यु के बाद किसी को जीवन देने हेतु अंगदान का संकल्प एक सरकारी निर्देश के बजाय एक वास्तविक हकीकत बन पाएगा।

त्योहार के मौसम में सफर

एजेन्सी

> *सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12–14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ।*

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12–14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरु कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश–दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां–वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है। अपने घर जाने के लिए घंटों लाइन में लगकर यात्री ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करें, यह किसी भी देश के लिए शर्मिंदगी का प्रसंग होना चाहिए। लेकिन भारत में अब ऐसे प्रसंगों पर आंख मूंद ली जाती है, मानो इनका कोई महत्व ही नहीं है। इसकी बजाए प्रचार तंत्र के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि सरकार को यात्रियों की कितनी फिक्र है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया। बताया गया कि स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री सुविधा केंद्र और अतिरिक्त टिकटिंग काउंटर बनाए गए हैं। अच्छी बात है कि दिल्ली के एक स्टेशन पर इतनी सुविधा की गई है। लेकिन क्या यात्री केवल दिल्ली से ही सवार होते हैं। सूरत में लगी लाइन पर रेल मंत्री क्या कहेंगे। क्या प्रधानमंत्री मोदी को अपने ही गृहराज्य में प्रवासी मजदूरों की इस भीड़ को देखकर अपने विकास के दावे खोखले नहीं लगते। ध्यान दें कि अभी बिहार चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी जितनी बार बिहार पहुंच रहे हैं, वे विकास की बड़ी–बड़ी बातें ही कर रहे हैं। दावे कर रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार में सबको सुख मिलेगा। हालांकि बिहार में अब भी डबल इंजन यानी बीजेपी और जेडीयू की ही सरकार है, तब भी वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला और काम की तलाश में ही लोगों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ा। बिहार का मजदूर गुजरात से लेकर दिल्ली, उत्तराखंड, असम और कश्मीर तक हर जगह मिल जाएगा। इसी मजदूर वर्ग को छठ पूजा के लिए जब अपने घर–गांव लौटने का मन होता है, तो वो ट्रेनों में भेड़–बकरियों की तरह ठूंस कर भी आने की कोशिश करता है। हालांकि इसमें कई बार जान का जोखिम होता है। जैसे तीन दिन पहले मुंबई से बिहार जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस को पकड़ने की कोशिश में तीन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नासिक रेलवे स्टेशन पर ये हादसा हुआ। कर्मभूमि एक्सप्रेस यहां रुकती नहीं है, लेकिन धीमी होती है। जिस पर चढ़ने की कोशिश तीन लोगों ने की। मान लिया कि उन लोगों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की भारी गलती की और ट्रेन का स्टॉपेज नहीं है, तो उस पर नहीं चढ़ना चाहिए था। लेकिन कोई तो मजबूरी रही होगी जिस वजह से ऐसा जोखिम पीड़ितों ने उठाया होगा। त्योहार के मौसम में सरकार ऐसी व्यवस्था पहले से क्यों नहीं करती कि सारे लोग आराम से आना–जाना कर सकें। नयी ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने और फोटो खिंचवाने के लिए तो प्रधानमंत्री या रेल मंत्री जैसे पद नहीं बने हैं।

परम तेजोमय दीपशिखा

हृदयनारायण दीक्षित

संसार का सर्वोत्तम प्रकाशरूपा है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार "सृष्टि का समस्त सर्वोत्तम और पुरूषोत्तम प्रकाशरूपा है। एक ही प्रकाश भिन्न–भिन्न रूपों प्रतिरूपों में दीप्त होता है, चमकता है और 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' होता है।" सूर्य परम तेजोमय हैं, वे स्थावर और जंगम की आत्मा है। वे भी सहस्त्र आयामी प्रकाशरूपा हैं। गीता के अर्जुन ने विश्वरूप देखा, उसके मुंह से शब्द फूटे "दिव्य सूर्य सहस्त्राणि–सहस्त्रों सूर्यो का प्रकाश एक साथ जगमगा उठा।" उपनिषद् के ऋषियों ने परमसत्ता की अनुभूति को प्रकाशरूप ही पाया। कठोपनिषद् (2.2.15), मुण्डकोपनिषद् (2.2.10) व श्वेताश्वतर उपनिषद् (6.10) में एक साथ गाए गए मंत्र में कहते हैं "न तत्र सूर्यो भाति, न चन्द्रतारकम्ध नेमा विद्युतो भान्ति कुतोऽयंमग्नि–वहां न सूर्य चमकते हैं और न चांद तारे। बिजली भी नहीं, अग्नि की बात है क्या है?" बताते हैं "तमे भान्तमनुभाति सर्वं उसी के प्रकाश से यह सब प्रकाश है। तस्य भासा सर्वम् इदं विभाति–उसी की दीप्ति से यह सब प्रकाशित हैं। हम भारत के लोग उत्सवप्रिय हैं। एक उत्सव प्रकाश दीप्ति के लिए। दीपोत्सव भारत का प्रकाश पर्व है। क्यों न हो? अंधकार अज्ञान है। प्रकाश ज्ञान का उपकरण है, प्रकाश और ज्ञान पर्यायवाची हैं। प्रकाश अमरत्व है, अज्ञान मृत्यु। वृहदारण्यक उपनिषद् (1.3.28) के ऋषि की प्रार्थना है, "असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमयेति – हम असत् से सत्, तमम से ज्योति और मृत्यु से अमरत्व की ओर चलें।" भारत की ज्योतिर्गमय आकांक्षा चिरन्तन है। ऋग्वेद (10.156.4) के ऋषि अग्नि की स्तुति में आह्लादित हैं "अग्नि ने अमर सूर्य को जन–जन को प्रकाश देने के लिए ही आकाश में स्थापित किया है।" ज्योति सनातन मानवीय आकांक्षा है। अग्नि ज्योतिरूप हैं। ज्योति हमारी चिरंतन अभीप्सा है। पूर्वजों ने जहां जहां ज्योति पुंज देखे, प्रणाम किया, स्तुतिवाचन किया, दिव्यता की अनुभूति पाई, देवता की प्रतीति मिली। जहां जहां ज्योतिर्गमय प्रकाश, वहा वहां दिव्यता और वहां–वहां देवता। सूर्य अखण्ड प्रकाश पुंज है। वे सविता देव हैं। ऋग्वेदकालीन विश्वामित्र ने सविता का प्रकाश देखा, दर्शन किया, उनके मुंह से गायत्री फूटी "तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात्–हम बुद्धि को प्रेरित करने वाले सविता देव के वरण करने योग्य दिव्य प्रकाश तेज को धारण करते हैं।" (ऋ0 3.62.10) प्रकाश दिव्य है, बुद्धि प्रकाशक है, तेज पुंज भी हैं। हम भा–रत हैं। भा अर्थात प्रकाश, रत यानी संलग्न। सो सूर्य को नमस्कार हमारी संस्कृति है। हम चन्द्र को अर्ध्य देकर पूंजते हैं। अंधकार सूर्य से नहीं लड़ पाता। लेकिन यही अंधकार चन्द्र से लड़ता है। प्रकाश और अंधकार का संघर्ष सनातन है। पूर्णिमा के दूसरे ही दिन से चांद घटने लगता है और अमावस तक रोजाना घटता है। अमावस परिपूर्ण तमस रात्रि है। अगले दिन से अंधकार पिटता है, प्रकाश बढ़ता है, 15 दिन बाद पूर्णिमा आती है। पूनो (पूर्णिमा) का चन्द्र पूरी आभा, प्रभा दीप्ति और प्रीति के साथ खिलता है। भारत ने प्रत्येक पूर्णिमा को उत्सव बनाया। अषाढ़ पूर्णिमा का चन्द्र बादलों से भी ढकता है। लेकिन उन्मुक्त चमकता है सो इस रात गुरू पूर्णिमा। श्रावण की पूर्णिमा रक्षाबंधन होती है लेकिन शरद् चन्द्र का क्या कहना? बहुत दूर आसमान में बैठा शरद् चन्द्र धरती की प्रीति में अमृतघट उलीचता है, भारत ने शरद् पूनो के चन्द्र को बहुत ज्यादा प्यार किया है। शरद् पूर्णिमा का प्रकाश–रास बनता है। शरदकाल वैदिक ऋषियों की प्रीति रहा है। वे सौ शरद् जीने के अभिलाषी थे–जीवेम शरदं शतं। सौ शरद् देखना भी चाहते थे–पश्येम शरदं शतं। शरद् पूर्णिमा की रात रस, गंध, दीप्ति, प्रीति, मधु, ऋत और मधुआनंद तो 15 दिन बाद झमाझम दीपमालिका। भारत ने इसी तमस् रात्रि को प्रकाश पर्व बनाया। जहां जहां तमस् वहां वहां प्रकाश–दीप। शरद चन्द्र का झकास–प्रकाश प्रकृति की अनुकम्पा है तो दीपोत्सव मनुष्य की कर्मशक्ति का रचा गढ़ा तेजोमय प्रकाश है। प्रकाश ज्ञानदायी और समृद्धिदायी भी है। कार्तिकी अमावस का अंधकार प्रकाश की अनुपस्थिति ही नहीं होता। यह अस्तित्वगत होता है, अनुभूति प्रगाढ़ हो तो पकड़ में आता है। गजब के द्रष्टा थे हमारे पूर्वज। उन्होंने इसी रात्रि को अवनि अम्बर दीपोत्सव सजाये। भारत इस रात केवल भूगोल नहीं होता, राज्यों का संघ नहीं होता, इस या उस राजनैतिक दल द्वारा शासित भूखण्ड नहीं होता। भारत इस रात 'दिव्य दीपशिखा' हो जाता है। भारत का मन पुलक में होता है, आमोद प्रमोद और परिपूर्ण उत्सवधर्मा होता है। वातायन मधुमय होता है। वातायन में शीत और ताप का प्रेम प्रसंग चलता है। दीपपर्व लक्ष्मी आराधना की मुहूर्त है। लक्ष्मी धन की देवी हैं। वे धन देती हैं, समृद्धि देती हैं, 'शुभ लाभ' देती हैं। पश्चिमी अर्थशास्त्र में उद्यमी को साहसी बताया गया है। वह साहस करता है, कारखाना वगैरह लगाता है। लाभ उद्यमी के साहस का प्रतिफल है। 'शुभ लाभ' भारतीय चिन्तन का विकास है। लाभ में श्रमिक का शोषण, टैक्सचोरी और भ्रष्टाचार भी शामिल है। 'शुभ लाभ' ईमानदार उद्यमी का हिस्सा है। पुराणों की तुलना में ऋग्वेद का समाज अतिप्राचीन है। समृद्धशाली भी है। यहां एक देवी 'अलक्ष्मी' (10.15.5) हैं, उनसे स्तुति है "आप विकृ तरूपा हैं अकाल लाती हैं, ये देवी हमसे दूर रहें।" यहां धन समृद्धि भी देवता (ऋ0 10.117) हैं, "सामान्य धनी दोगुनी, तीन गुनी और चार गुनी सम्पत्ति चाहते हैं लेकिन धन का निजी हित में प्रयोग करने वाले पापी हैं।" यहां धन के सामाजिक उपयोग पर जोर है। ऐसा धन ही वस्तुतः शुभ लाभ है। सांस्कृतिक मर्यादा से हटने के कारण शुभ लाभ की परम्परा समाप्त हो गयी। लेकिन लक्ष्मी भी मनमाना आचरण नहीं कर सकती। ऋग्वेद के देवता विष्णु विराट है, वामन भी है। विष्णु 'शांतकारं भुजग शयनं' हैं। श्रीलक्ष्मी विष्णु के श्रीचरण दबाती हैं। सापों पर भी शान्त रहकर मजे से विश्राम करने वाले के पैर लक्ष्मी के अलावा कौन दबा सकता है?

मेष :– ईश्वरीय आस्था में वृद्धि होगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। महत्वाकांक्षाओं को फलित करने में असमर्थता संभव। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

बृषभ :– उच्च महत्वाकांक्षा ऊंची प्रगति के लिए प्रेरित करेगी। किसी नई योजना पर विचारमग्न होंगे। दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु प्रयत्नशील हों। आलस्य का त्याग करें।

मिथुन :– राजनीति से जुड़े लोगों के लिए लाभकारी स्थिति बनेजी। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। असमाजिक तत्वों से दूरी बनायें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

कर्क :– सगे–संबंधों में अपने नैतिक कर्त्तव्यों से विमुख न हों। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक बनेगी। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव।

सिंह :– आलस्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवरोधक होगा। नये कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। किसी संबंधी अथवा खुद के अस्वस्थता से परेशान हो सकते हैं। रोजगार में स्वयं की क्षमता का एहसास होगा।

कन्या :– निराशावादी विचारों का त्याग करें। परिजनों की छोटी–छोटी बातों का बुरा न मानें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। माता के स्वास्य के प्रति सचेत रहे।

तुला :– सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। अच्छे आचार–विचार से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। अपने स्वास्य का पूरा ख्याल करें। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

वृश्चिक :– कोई महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। मधुरवाणी से संबंधों को प्रगाढ़ध बनाएंगे। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

धनु :– महत्वपूर्ण दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर में किसी पुराने संबंधी का आगमन हो सकता है।

मकर :– निकट संबंधों में कुछ अप्रिय बाते दूरी पैदा करेंगी। भौतिक आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। मूल्यवान समय को व्यर्थ में जाया न होने दें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करने का प्रयत्न करें।

कुंभ :– पूरा दिन अध्यात्मिक व पारंपरिक कायरे में व्यतीत होगा। किसी इच्छित कार्य की पूर्ति से प्रसन्नता संभव। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। आवश्यकतानुसार भौतिकता को अपनाएं।

मीन :– कार्य के अत्याधिक बोझ से मन बोझिल होगा। जीवनसाथी के भावनात्मक सहयोग उत्साह का संचार होगा। शासन–सत्ता व राजकीय क्षेत्र के लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी।

कभी–कभी हार न मानना ही उपदेश बन जाता है

एजेन्सी

> *एक रात वह अपनी कार लेकर, पूरी तरह नशे में, लोनावला (मुम्बई) तक चला गया। मैं उसे बार–बार फोन करता रहा, उससे रुकने, वापस मुडने और किसी सुरक्षित जगह पर गाड़ी रोकने की विनती करता रहा। उसने मेरे ज्यादातर फोन का जवाब नहीं दिया।*

कुछ साल पहले, मेरा एक करीबी दोस्त शराब की लत में बुरी तरह फंस गया था। एक होनहार, काबिल नौजवान को शराब की लत में गिरते देखना दिल दहला देने वाला था। एक रात वह अपनी कार लेकर, पूरी तरह नशे में, लोनावला (मुम्बई) तक चला गया। मैं उसे बार–बार फोन करता रहा, उससे रुकने, वापस मुडने और किसी सुरक्षित जगह पर गाड़ी रोकने की विनती करता रहा। उसने मेरे ज्यादातर फोन का जवाब नहीं दिया। आखिरकार जब उसने फोन उठाया तो उसकी आवाज लडखड़ा रही थी और वह गुस्से में था। मुझे लगा कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कर रहा है। महीनों बाद, जब वह किसी तरह शराब पीना छोड़ पाया तो वह मुझसे कॉफी हाऊस पर मिला और कुछ ऐसा कहा जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। उसने कहा, "बॉब, तुम्हें याद है वह रात जब मैं नशे में गाड़ी चला रहा था और तुम मुझे बार–बार फोन कर रहे थे। तुम्हें लगा था कि मैं तुम्हें सुन नहीं पा रहा हूं लेकिन मैं सुन रहा था और उस धुंध में, एक ही बात मेरे दिमाग से नहीं निकल रही थी, कि क्या मैं इतना काबिल हूं कि बॉब मुझे फोन करता रहे? क्योंकि यही वह वक्त था जब मैं खुद को सबसे ज्यादा नाकाबिल महसूस कर रहा था।

मैं पीना बंद नहीं कर पा रहा था। मैंने सबको निराश किया था, खुद को भी। लेकिन तुम्हारे फोन मुझे कुछ और बता रहे थे कि कोई अब भी मुझे बचाना चाहता है।" मैं काफी देर तक चुप रहा। उसके शब्दों ने मुझे बरसों में सुनी किसी भी बात से ज्यादा गहरा धक्का पहुंचाया। हम अक्सर सोचते हैं कि लोगों को उपदेश देने, उन्हें डांटने या उन्हें लंबा–चौड़ा उपदेश देने से वे वापस आ जाएंगे। लेकिन कभी–कभी, बस हार न मानने का काम ही उपदेश बन जाता है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां लोगों को आसानी से नजरअंदाज कर दिया जाता है। एक बार असफल हो जाओ और तुम्हें नकार दिया जाता है। किसी कमजोरी से जूझो और तुम्हें निराशाजनक करार दे दिया जाता है। अपना रास्ता भटक जाओ और अचानक हर कोई यह दिखावा करने लगता है कि वे तुम्हें जानते ही नहीं थे। हम इसे व्यावहारिक होना कहते हैं। लेकिन असल में इससे यही पता चलता है कि हम भूल गए हैं कि अनुग्रह कैसे काम करता है। मेरा दोस्त इसलिए संयम में नहीं लौटा क्योंकि किसी ने उसे पाप के बारे में उपदेश दिया था। वह कई कारणों से लौटा लेकिन उनमें से एक यह था कि किसी को विश्वास था कि वह अभी भी योग्य है। उस विश्वास ने उसके अंदर एक ड्क्षचगारी जलाई जब उसके अंदर खुद की कोई रोशनी नहीं बची थी। इस समय हमारे आस–पास ऐसे लोग हैं जो चुपचाप अपने ही राक्षसों से लड़ रहे हैं। जैसे नशे की लत, अवसाद, असफलता और शर्म। आपको शायद पता न हो लेकिन आपका धैर्य, आपका फोन कॉल, उनका साथ न छोडना ही शायद उन्हें बचा सकता है। जब हम किसी को उसके सबसे बुरे समय में देखते हैं और फिर भी उसे प्यार के लायक समझते हैं तो हम वही दोहराते हैं जो परमेश्वर हर दिन हमारे साथ करता है। वह पुकारना कभी बंद नहीं करता। जब हम पूरी गति से गलत दिशा में गाड़ी चला रहे होते हैं, तब भी वह फोन करता रहता है, फुसफुसाता रहता है और कहता है, 'तुम अब भी मेरे हो।' तो अगली बार जब कोई आपको निराश करे तो जल्दी से वहां से न जाएं। यह न सोचें कि उनकी मदद नहीं की जा सकती। याद रखें कि आपकी दृढ़ता एक दिन उन्हें यह कहने पर मजबूर कर सकती है, "क्या मैं सचमुच इतना योग्य हूं"। और हो सकता है कि आंसुओं और जागृति के माध्यम से पूछा गया यह प्रश्न, उनके घर वापसी के सफर की शुरूआत हो!

कल्कि और स्पिरिट कंट्रोवर्सी पर दीपिका ने तोड़ी चुप्पी

बोलीं- सालों से मेल सुपरस्टार 8 घंटे काम कर रहे लेकिन मुझे टारगेट किया गया

दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' और नाग अश्विन की 'कल्कि 2' से बाहर होने और 8 घंटे की शिफ्ट की मांग कंट्रोवर्सी पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में इस पूरे विवाद पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इंडस्ट्री में मेल सुपरस्टार हमेशा से आठ घंटे की शिफ्ट करते आए हैं लेकिन ये बात कभी हेडलाइन का हिस्सा नहीं रही है। सीएनबीसी–टीवी 18 से इंटरव्यू में जब दीपिका से कहा गया कि उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी विरोध झेलना पड़ रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्ट्रेस ने कहा– श्एक महिला होने के नाते, अगर यह दबाव डालने जैसा होता है, तो ऐसा ही सही। लेकिन यह कोई सीक्रेट नहीं है कि इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कई सुपरस्टार, मेल सुपरस्टार सालों से आठ घंटे काम कर रहे हैं और यह कभी सुर्खियों में नहीं आया।श संदीप रेड्डी वांगा ने स्पिरिट में दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को कास्ट किया है। दीपिका ने आगे कहा– श्मैं अभी नाम नहीं लेना चाहती और इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाना चाहती लेकिन यह बहुत आम बात है। पब्लिकली ये बात पता है कि बहुत सारे मेल एक्टर सालों से हर रोज आठ घंटे काम कर रहे हैं। उनमें से ज्यादातर मंडे से फ्राइडे तक सिर्फ आठ घंटे काम करते हैं। वे वीकेंड में काम नहीं करते।श दीपिका ने कहा कि भले ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को एक इंडस्ट्री कहा जाता है, लेकिन हमने कभी भी एक इंडस्ट्री की तरह काम नहीं किया है। यह एक बहुत ही अव्यवस्थित इंडस्ट्री है और अब समय आ गया है कि हम इस कल्चर में कुछ चेंज लाएं। हाल ही में दीपिका को अबू धाबी टूरिज्म का ब्रांड एंबेसडर बना गया है। बता दें कि हाल ही में दीपिका को 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी दो बड़ी फिल्मों से बाहर होना पड़ा। कहा गया कि एक्ट्रेस ने इन दोनों फिल्मों में काम करने के लिए आठ घंटे की शिफ्ट की डिमांड रखी थी। साथ ही फीस के तौर पर भारी भरकम रकम की मांग भी की थी। दीपिका को अपनी इस मांग की वजह से अनप्रोफेशनल कहा गया। एक्ट्रेस की वर्कफ्रंट की बात करें तो वो फिलहाल साउथ डायरेक्टर एटली की एक फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में भी दिखेंगी।

दीपिका-रणवीर ने पहली बार बेटी के साथ मनाई दिवाली

दिवाली के खास मौके पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने बेटी दुआ पादुकोण का चेहरा रिवील किया है। कपल ने दिवाली में बेटी दुआ को थामे हुए कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। बेटी की तस्वीर के साथ दीपिका–रणवीर ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। दुआ की खूबसूरती देख सेलेब्स ने बांधे तारीफों के पुल दीपिका–रणवीर द्वारा शेयर की गईं दुआ की तस्वीरें देख बॉलीवुड सेलेब्स लगातार उनके लिए कमेंट्स कर रहे हैं। राजकुमार राव ने कमेंट के जरिए दुआ की क्यूटनेस की तारीफ की है, वहीं प्रियंका चोपड़ा ने भी दुआ के लिए आशीर्वाद भेजा है। पहले भी सामने आ चुका है दुआ का वीडियोकपल द्वारा बेटी दुआ का चेहरा रिवील किए जाने से पहले अगस्त में भी एक वीडियो सामने आ चुका है, जिसमें दुआ का चेहरा साफ तौर पर देखा गया था। वीडियो एयरपोर्ट का था, जहां एक फैन ने चोरी–छिपे दीपिका की गोद में बैठी हुईं दुआ का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था। इस दौरान एक्ट्रेस काफी नाराज नजर आईं और फैन को रिकॉर्ड न करने की हिदायत देती दिखी थीं। हालांकि वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद एक्ट्रेस की टीम ने मशक्कत से वीडियो डाउन करवाई थी। दीपिका–रणवीर के बचपन से हुई दुआ की तुलना दुआ की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उनके लुक की तुलना लगातार दीपिका–रणवीर से की जा रही है। दुआ में काफी हद तक रणवीर सिंह की झलक देखने को मिल रही है। 2012 में हुआ प्यार, 2018 में शादी फिर 2024 में बने पेरेंट्स दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की लव स्टोरी की शुरुआत साल 2012 में फिल्म गोलियों की रासलीलाःरामलीला के सेट पर हुई थी। साथ समय बिताते हुए दोनों एक–दूसरे को पसंद करने लगे। करीब 3 साल तक डेट करने के बाद साल 2015 में रणवीर सिंह ने दीपिका पादुकोण को शादी के लिए प्रपोज किया था। दोनों ने सीक्रेटली सगाई कर ली थी, जिसके बाद साल 2018 में कपल ने इटली के बिला डेल बालबियानो में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। दीपिका ने 8 सितंबर 2024 को बेटी दुआ को जन्म दिया था। गूगल पर ट्रेंड कर रही हैं दुआ पादुकोण सिंह तस्वीरें सामने आने के बाद से ही दुआ पादुकोण सिंह को लगातार गूगल पर सर्च किया जा रहा है। लोग बढ़–चढ़कर उनके बारे में जानकारी जुटा रहे हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने मुस्लिम एक्टर जहीर इकबाल संग शादी की है. जिसके बाद वो अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं. वहीं करवाचौथ के दिन भी एक्ट्रेस को यूजर्स ने खूब खरी–खोटी सुनाई. दरअसल उन्होंने मस्जिद से पति संग फोटोज शेयर की, जिसे देख उनके फैंस भड़क गए हैं. करवाचौथ पर बुरी तरह ट्रोल हुईं सोनाक्षी सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर इकबाल के साथ ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. तस्वीरों में कपल अबू धाबी की फेमस शेख जायद ग्रैंड मस्जिद में नजर आ रहे हैं. तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'अबू धाबी में मिला थोड़ा सा सुकून.' अब करवाचौथ के दिन सोनाक्षी की ये पोस्ट शेयर करना यूजर्स को बिल्कुल रास नहीं आ रहा. कई यूजर्स ने एक्ट्रेस को करवा चौथ के दिन मस्जिद जाने पर ट्रोल करना शुरू कर दिया है. यूजर्स ने खूब लगाई एक्ट्रेस को लताड़ सोनाक्षी की फोटोज पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'करवा चौथ कर रही हो या हज पर गई हो?' वहीं दूसरे ने कहा, 'दीपिका पादुकोण ने कम किया था जो अब तुम पहुंच गई हो.' तीसरे ने लिखा, ये भी मुस्लिम बन गई है..', एक ने तंज कसते हुए कहा, 'सोनाक्षी सिन्हा नहीं, सोना अली...' कई बार ट्रोल हो चुकी हैं सोनाक्षी सिन्हा बता दें कि ये पहली बार नहीं है, सोनाक्षी ने जब जहीर इकबाल से शादी की थी. तब भी एक्ट्रेस की खूब ट्रोलिंग हुई थी. लोगों ने एक्ट्रेस और उनकी फैमिली को खूब बातें सुनाई थी. सोनाक्षी और जहीर ने सात साल की डेटिंग के बाद एक–दूजे संग शादी की थी. दोनों ने मुंबई में रजिस्टर्ड मैरिज की थी. ये शादी बड़ी ही सादगी के साथ एक्ट्रेस के मुंबई वाले घर में हुई थी. जिसमें सोना ने अपनी मां पूनम सिन्हा की साड़ी पहनी थी.

हरियाणवी फिल्म–म्यूजिक और स्टेज इंडस्ट्री की दो चर्चित हस्तियां सपना चौधरी और अंजलि राघव अब आमने–सामने हो गई हैं। हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव ने सपना चौधरी पर पलटवार करते हुए कहा कि सपना चौधरी को पॉपुलैरिटी मेरे गानों पर नाच कर ही मिली है। दैनिक भास्कर एप से बातचीत में अंजिल ने कहा कि सारा रोला पतली कमर का३ गीत पर भी सपना चौधरी बहुत ज्यादा स्टेज डांस करती थी। इसके बाद सॉलिड बॉडी गीत पर परफॉर्मेंस करने से ही सपना चौधरी को प्रसिद्धि हासिल हुई थी। पहले सपना चौधरी कोई सॉन्ग नहीं करती थी, वह केवल स्टेज डांसर थी। दोनों गीतों से ही सपना को पहचान मिली है। इससे पहले हरियाणवी डांसर– परफॉर्मर सपना चौधरी ने अंजलि राघव की आलोचना की थी। एक पॉडकॉस्ट में सपना ने अंजलि राघव और भोजपुरी स्टार पवन सिंह हुई कंट्रोवर्सी को बेतुका बताया था। सपना ने कहा था कि अंजलि को यदि विरोध करना था तो मौके पर ही करती, बाद में विवाद खड़ा करना सही नहीं। बता दें कि लखनऊ में स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान पवन सिंह ने अंजलि की कमर को छुआ था। इसके बाद से मामला कंट्रोवर्सियली हो गया है। इसी बीच सपना ने अंजलि को लेकर बयान दिया तो अंजलि राघव ने तीखा हमला बोलते हुए कई बातें कही। उन्होंने यहां तक कहा– सपना चौधरी को इंडस्ट्री में आगे बढ़ाने वाली हर उस लड़की से एलर्जी है, जो अच्छा काम करके आगे आती है।

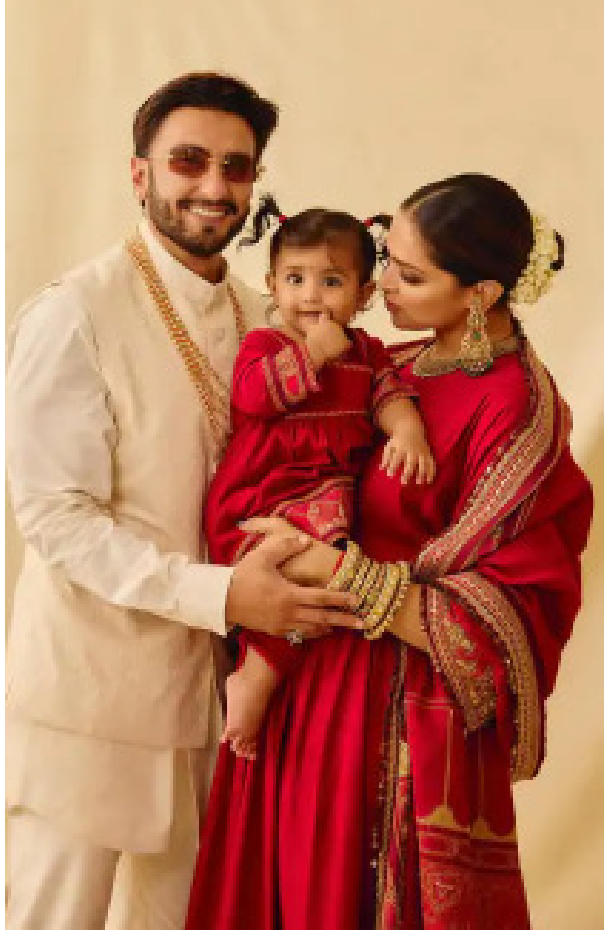

फेस्टिवल टाइम में हम सभी दिनभर में कई तरह के स्नैक्स व मिठाइयों का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आप खुद को हेल्दी बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में दिन की शुरुआत हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट से करें। आप नाश्ते में अंडा, पनीर, दही, स्प्राउट्स या प्रोटीन शेक जरूर लें।

फेस्टिवल के सीजन में हम सभी खाने का पूरा मजा उठाना चाहते हैं। मिठाइयों से लेकर फ्राइड फूड तक हम सभी काफी कुछ खाते हैं। लेकिन इस वजह से वजन तेजी से बढ़ने लगता है। अगर आप वेट लॉस पर हैं तो ऐसे में फेस्टिवल आपको थोड़ा सा परेशान कर सकते हैं, क्योंकि अक्सर आप ना चाहते हुए भी भूखा रहती हैं या फिर अपने फेवरिट फूड के सामने होते हुए भी उन्हें छोड़ना पड़ता है।

हो सकता है कि आप भी अपने वजन को बढ़ने से चिंतित हों और इसलिए फेस्टिवल में अपने पसंदीदा खाने से दूरी बना रही हों। हालांकि, आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो कुछ स्मार्ट और आसान तरीके अपनाकर आप त्योहार का पूरा मजा उठा सकती हैं और साथ ही साथ अपने वजन को भी कंट्रोल कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही फेस्टिवल वेट लॉस हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके बेहद काम आएंगे–

हाई–प्रोटीन ब्रेकफास्ट से करें दिन की शुरुआत

फेस्टिवल टाइम में हम सभी दिनभर में कई तरह के स्नैक्स व मिठाइयों का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आप खुद को हेल्दी बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में दिन की शुरुआत हाई प्रोटीन ब्रेकफास्ट से करें। आप नाश्ते में अंडा, पनीर, दही, स्प्राउट्स या प्रोटीन शेक जरूर लें। प्रोटीन लंबे समय तक पेट भरा रखता है और शुगर क्रेविंग कम करता है। साथ ही साथ, प्रोटीन को पचाने में आपका शरीर ज्यादा कैलोरी बर्न करता है। जिससे हेल्दी वजन बनाए रखने में मदद मिलती है।

खाने से पहले पीएं पानी

फेस्टिवल में अगर आप हाइड्रेशन का ख्याल रखेंगी तो ऐसे में आप ओवरईटिंग से बच जाएंगी और इससे आपको वजन बढ़ने की समस्या नहीं होगी। इसलिए, खाने से 20–30 मिनट पहले 1–2 गिलास पानी या नींबू, खीरा, पुदीने वाला पानी पिएं। पानी आपको फुलर फील करवाता है और दिमाग को लगता है कि पेट भरा है। जिससे आप लिमिट में खाते हैं। नींबू या पुदीना डाइजेशन को बेहतर बनाता है और ब्लोटिंग कम करता है।

रहें एक्टिव

फेस्टिवल में भी खुद को एक्टिव रखने की कोशिश करें। फेस्टिवल एन्जॉय करते हुए जमकर डांस करें। फेस्टिवल की साफ–सफाई खुद करें। दिन की शुरुआत में वॉक, योग व घर पर वर्कआउट करें। इससे आपको अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने में मदद मिलेगी और वजन नहीं बढ़ेगा।

मिताली जैन

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

एक पत्नी के तौर पर आप अपने पति की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। उनको इंस्पायर कर सकती हैं और मदद कर सकती हैं। आज हम आपको 3 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको रोजाना करने से आपके पति की चर्बी कुछ ही दिनों में कम होने लगेगी।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बार पति अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसका नतीजा बढ़ा हुआ वेट और खासकर पेट के आसपास चर्बी जमा हो जाती है। यह न सिर्फ पि की पर्सनैलिटी को प्रभावित करता है और कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं की वजह बनता है। जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल के रोग आदि। एक पत्नी के तौर पर आप अपने पति की सेहत का ध्यान रख सकती हैं। उनको इंस्पायर कर सकती हैं और मदद कर सकती हैं। यह दिखाता है कि आप अपने पति से कितना प्यार करती हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 3 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको रोजाना करने से आपके पति की चर्बी कुछ ही दिनों में कम होने लगेगी। आपके पति इन एक्सरसाइज को आसानी से घर पर कर सकते हैं।

हाई नी टच

हाई नी टच एक्ध्सरसाइज पेट की निचली मसल्ध्स पर काम करती है। साथ ही यह कैलोरी बर्न करने में भी मदद करती है।

इसको करने के लिए पैरों को हिप चौड़ाई में थोड़ा अलग करके खड़े हों।

फिर दोनों हाथों को कोहनी से मोड़कर चेस्ट के सामने लेकर आएं।

अब बारी–बारी से दाएं घुटने को हाथों से छूने का प्रयास करें और फिर बाएं घुटने को।

इस दौरान शरीर को सीधा रखने के साथ पेट की मसल्स को टाइट रखें।

शुरूआत में इसे 20 बार करें।

बाद में धीरे–धीरे इसकी संख्या बढ़ाकर 100 के 3 सेट करने का लक्ष्य सेट करें।

क्रॉस बॉडी क्रंच

क्रॉस बॉडी क्रंच एक्सरसाइज पेट की ऑब्लिक मसल्स पर काम करती हैं, जोकि साइड की चर्बी को कम करने में सहायक है।

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सीखे खड़े हो जाएं।

फिर दोनों हाथों को सिर के पीछे रखें और कोहनियों को बाहर की ओर खोलें।

अब दाएं घुटने को ऊपर की तरफ लाएं और बाईं कोहनी से छूने का प्रयास करें।

इसके बाद बाएं घुटने को ऊपर की ओर लाएं और दाईं कोहनी से छूने का प्रयास करें।

यह एक्सरसाइज धीमे और कंट्रोल स्पीड से करने की कोशिश करें।

शुरूआत में 20 बार करें।

फिर धीरे–धीरे 100 के 3 सेट करने की कोशिश करें।

टर्न एंड टच

इस एक्सरसाइज का अभ्यास करने से कमर, पेट और पीठ की मसल्स मजबूत होती हैं।

टर्न एंड टच एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और पैरों को कंधे की चौड़ाई से थोड़ा अधिक खोलें।

फिर दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं।

इसके बाद कमर से नीचे की तरफ झुकें और पैरों के बीच से दोनों हाथों को पीछे ले जाने का प्रयास करें।

अब सीधे ऊपर वापस आ जाएं।

इसके बाद शरीर को स्थिर रखते हुए पेट को अंदर की तरफ खींचकर रखें।

शुरूआत में 20 बार यह एक्सरसाइज करें।

वहीं धीरे–धीरे इस संख्या को 100 के 3 सेट तक ले जाने की कोशिश करें।

इन एक्सरसाइज को करने के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि पेट की चर्बी कम करने के लिए सिर्फ एक्सरसाइज ही नहीं बल्कि मीठा, तला–भुना और बाहर का खाना छोड़ने की जरूरत है। पेट की चर्बी कम करने के लिए घर का बना सादा और पौष्टिक खाना खाएं। साथ कैलोरी की मात्रा पर ध्यान दें और खाने की मात्रा को थोड़ा कम करें। इन आसान स्टेप्स को फॉलो करने से आप अपने पति की हेल्दी और फिट रहने में सहायता कर सकती हैं।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आजकल फैटी लिवर की समस्या काफी देखने को मिल रही है। खानपान के कारण भी फैटी लिवर की समस्या बढ़ती है। अगर आप रोजाना इन ड्रिंक्स का सेवन करेंगे तो कुछ हद तक आपको काफी आराम मिलेगा। कुछ ड्रिक्स हैं, जो फैटी लिवर को रिवर्स करने का काम करती है।

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण बीमारियों की समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। फैटी लिवर की समस्या काफी देखने को मिल रही हैं। यह एक ऐसी कंडीशन होती है, जिसमें लिवर के सेल्स में एक्स्ट्रा फैट जम जाता है। इसे समय रहते ध्यान नहीं दिया, तो यह गंभीर लिवर डिजीज का कारण बन जाता है।

हालांकि, अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव करने से डाइट में कुछ खास ड्रिंक्स का सेवन करने से इस समस्या को खत्म किया जा सकता है। अपनी डाइट में ये 3 ड्रिंक्स को एड ऑन करें। फिर देखें इसके फायदे।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं। ग्रीन टी को लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि इसमें कैटचिन होता है।

ग्रीन टी पीने से लिवर में फैट के मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है। फैट के जमाव को कम करने में सहायक है। यह लिवर की सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को भी कम करता है और यह लिवर के सेल्स को डैमेज होने से बचाता है।

ब्लैक कॉफी

अगर आप बिना दूध और चीनी के ब्लैक कॉफी पिएंगे, तो आपको फैटी लिवर की समस्या में आराम मिलेगा। कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनोल पाए जाते हैं, जो लिवर फाइब्रोसिस के जोखिम को कम करने में सहायक करता है। यह लिवर की सूजन को कम करता है और फैट जमाव को रोकने में मदद करता है।

चुकंदर का जूस

चुकंदर के जूस में कई सारे न्यूट्रिशन पाएं जाते हैं। इसमें बीटाइन और बीटालेन जैसे कंपाउंड भरपूर मात्रा में होते हैं, जो लिवर पर फैट के जमाव को कम करता है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड फ्लो को बेहतर करता है, जो कि लिवर फंक्शन के लिए काफी फायदेमंद होता है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

अगर आप प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले डॉक्टर से कुछ सवाल पूछ लिए जाएं, तो प्रेग्नेंसी के इस सफर को काफी आसान बनाया जा सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले आपको अपने डॉक्टर से कौन–कौन से सवाल पूछने हैं।

जब महिलाएं प्रेग्नेंसी के बारे में सोचती हैं तो मन में कई सारे सवाल उठने लगते हैं। कई बार जब कई सवालों के जवाब जाने लिए प्रेग्नेंसी प्लान कर लेती हैं। तो महिलाओं को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि अगर आप प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले डॉक्टर से कुछ सवाल पूछ लिए जाएं, तो प्रेग्नेंसी के इस सफर को काफी आसान बनाया जा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले आपको अपने डॉक्टर से कौन–कौन से सवाल पूछने हैं। हम यहां पर आपको कुछ सवालों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले डॉक्टर से जरूर पूछने चाहिए।

प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले जरूर पूछें ये सवाल

प्रीकनसेप्शन टेस्ट और वैक्सीन

डॉक्टर से इस बार में जरूर बात करें कि क्या प्रेग्नेंसी से पहले आपको कोई जेनेटिक स्क्रीनिंग, ब्लड टेस्ट या वैक्सीनेशन कराने की जरूरत है। अगर डॉक्टर आपको हां कहता है, तो ऐसे में फौरन टेस्ट करवा लेना चाहिए। वरना हो सकता है प्रेग्नेंसी के समय कुछ समस्याओं का सामना करना पड़े।

सप्लीमेंट

क्या आपको विटामिन या फिर फोलिक एसिड अभी से शुरू करना चाहिए या फिर इसकी सही मात्रा क्या होगी। डॉक्टर से यह सवाल पूछना बेहद जरूरी है। इससे अगर आपके शरीर में कोई कमी है या फिर जरूरी विटामिन आपके शरीर को चाहिए तो कुछ सप्लीमेंट्स डॉक्टर पूरे कर सकते हैं।

लाइफस्टाइल में बदलाव

सेहतमंद प्रेग्नेंसी के लिए व्यायाम, खानपान, वजन और नींद में कौन से बदलाव करना जरूरी है। क्योंकि अगर आपको पहले से ही पता रहेगा कि आपके लिए कैसी डाइट अच्छी रहेगी, तो आप गलत चीजों को खाने से बच सकेंगी।

दवाएं और आदतें

आपको डॉक्टर से यह भी सलाह करनी चाहिए कि क्या आपकी वर्तमान में चलने वाली दवाएं सुरक्षित हैं। वहीं आपको किन आदतों से बचना चाहिए, इस बारे में भी डॉक्टर की सलाह ले सकती हैं।

हेल्थ रिस्क

मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर डायबिटीज, थायराइड या हाई ब्लड प्रेशर की शुरुआती जांच करवा सकती हैं।

प्रेग्नेंसी प्लानिंग

डॉक्टर से इस बारे में भी बात कर सकती हैं कि गर्भधारण का सही समय कौन सा है। क्योंकि अगर आपको पहले से ही सही समय के बारे में पता होगा, तो आप रेगुलर चेकअप करवा सकेंगी।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

पुतिन का युद्धविराम से इनकार, ट्रंप ने 'व्यर्थ की बैठक' बताकर टाली मुलाकात

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बैठक की योजना स्थगित कर दी गई है क्योंकि वह नहीं चाहते कि यह ''समय की बर्बादी'' हो। यूक्रेन में युद्ध को सुलझाने की कोशिश कर रहे ट्रंप के प्रयासों में यह नया मोड़ है। ट्रंप और पुतिन के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में बैठक होने वाली थी, जिसे स्थगित करने का निर्णय सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। ट्रंप ने कहा, ''मैं एक व्यर्थ बैठक नहीं चाहता। मैं समय की बर्बादी नहीं चाहता। इसलिए देखते हैं, क्या होता है।'' लावरोव ने मंगलवार को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया कि रूस तत्काल युद्धविराम के विरोध में है। ट्रंप पूरे साल युद्ध के प्रमुख मुद्दों पर अपना रुख बदलते रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या युद्धविराम दीर्घकालिक शांति वार्ता से पहले होना चाहिए और क्या यूक्रेन लगभग चार वर्षों की लड़ाई के दौरान रूस द्वारा कब्जा की गई भूमि वापस पा सकता है। यूरोपीय नेता पुतिन पर युद्ध में बढ़त हासिल करने के लिए कूटनीति में समय लगाने का आरोप लगाते रहे हैं और अब पुतिन से मुलाकात में ट्रंप की हिचकिचाहट उनके लिए राहत की बात है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, फ्रांस के राष्ट्रपति और जर्मनी के चांसलर सहित कई नेताओं का कहना है कि वे रूसी सेना द्वारा कब्जाई गई यूक्रेनी भूमि को छोड़ने को लेकर यूक्रेन पर किसी भी तरह का दबाव बनाने के खिलाफ हैं, जिसके बारे में हाल में ट्रंप ने सुझाव दिया था। इन नेताओं की यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के वित्तपोषण में मदद के लिए अरबों डॉलर की जब्त रूसी संपत्ति का उपयोग करने के विचार की दिशा में आगे बढ़ने की भी योजना है, भले ही इस तरह के कदम की वैधता और परिणामों को लेकर कुछ आशंकाएं हों। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों के बीच इससे पहले अगस्त में अलास्का में बैठक हुई थी, लेकिन इस मुलाकात से युद्ध को समाप्त करने के ट्रंप के प्रयासों को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। यह युद्ध फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के साथ शुरू हुआ था। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ट्रंप और पुतिन को फिर से एक साथ लाने की जल्दी में नहीं दिख रहा था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि बैठक से पहले ''गंभीर तैयारी की जरूरत है''। ट्रंप ने सुझाव दिया कि बैठक के बारे में निर्णय आने वाले दिनों में किए जाएंगे।

नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की ने आम चुनावों पर चर्चा के लिए नेताओं से मुलाकात की

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पिछले महीने कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद पहली बार मंगलवार को प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और आम चुनावों की तैयारियों एवं सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि बालुवाटार स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई इस बैठक में भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा के कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। कार्की (73) उस समय पिछले महीने नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं जब भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर सरकार के खिलाफ

युवाओं के नेतृत्व में 'जेन जेड' आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को अपदस्थ कर दिया गया था। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कार्की ने सभी राजनीतिक दलों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग मांगा। नेताओं ने सरकार से चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का आग्रह किया। कार्की ने आश्वासन दिया कि अंतरिम सरकार कानून के अनुसार काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम 'जेन जेड' आंदोलन की भावना के विपरीत काम नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम उचित प्रक्रियाओं और कानून के दायरे में काम करेंगे। हम दिए गए जनादेश के अनुसार काम कर रहे हैं। चुनाव होंगे और भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच जारी है।'' नेपाल के शीर्ष निर्वाचन निकाय ने पहले ही प्रतिनिधि सभा के चुनाव की तारीख पांच मार्च, 2026 घोषित कर दी है।

हमास ने गाजा में 'रेड क्रॉस' को दो और बंधकों के अवशेष सौंपे : इजराइली सेना

हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं। इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी। हमास के साथ हुए युद्धविराम समझौते का क्रियान्वयन 10 अक्टूबर को शुरू होने के बाद से 13 बंधकों के अवशेष इजराइल को लौटाए गए हैं। दो और बंधकों के अवशेषों को इजराइल

पहुंचाए जाने के बाद अब गाजा में बंधक बनाकर रखे गए 13 और लोगों के शवों को बरामद करके इजराइाल को सौंपा जाना बाकी है। मंगलवार को इजराइल की यात्रा पर आए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने हमास के साथ हुए युद्धविराम समझौते के क्रियान्वयन को लेकर इजराइल की बढ़ती हताशा के बीच थोड़ा धैर्य रखने का आग्रह किया। वेंस ने कहा, ''इनमें से कुछ बंधकों के अवशेष हजारों टन मलबे के नीचे दबे हुए हैं।

ताइवान में अफ्रीकन स्वाइन फीवर ने दी दस्तक, सरकार ने सूअर मारने पर लगाई रोक; देशभर में अलर्ट जारी

ताइपेई। ताइवान में पहली बार अफ्रीकन स्वाइन फीवर के मामले सामने आए हैं, जिसके बाद सरकार ने आपात कदम उठाते हुए प्रभावित फार्म के कम से कम 195 सूअरों को मार दिया है। संक्रमण को रोकने के लिए पूरे द्वीप पर सूअरों की आवाजाही और वध पर पांच दिन का प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह बीमारी सूअरों के लिए लगभग हमेशा घातक होती है, लेकिन इंसानों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। कृषि मंत्रालय के मुताबिक, ताइचुंग के एक तटीय फार्म में कुछ सूअरों की मौत के बाद उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें मंगलवार को अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि हुई। इसके बाद पशु संरक्षण और क्वारंटीन

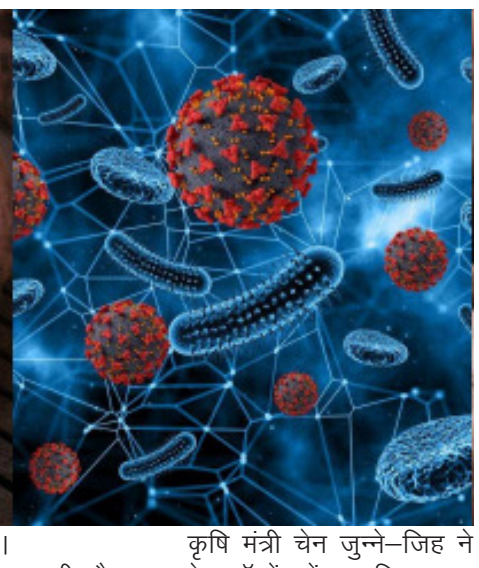

अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फार्म के 195 सूअरों को एहतियातन मार दिया और पूरे परिसर की सफाई व कीटाणुशोधन कराया। फार्म के चारों ओर तीन किलोमीटर के दायरे में नियंत्रण क्षेत्र भी बना दिया गया है।

द्वीप पर आवाजाही और वध पर रोक

कृषि मंत्रालय ने बुधवार दोपहर से पूरे ताइवान में सूअरों की आवाजाही और वध पर पांच दिन का प्रतिबंध लगा दिया। कृषि मंत्री चेन जुन्ने–जिह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वायरस के स्ट्रेन को अलग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही इस मामले की सूचना विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वायरस अलग करने में दो सप्ताह लगते हैं, लेकिन हम इंतजार नहीं कर सकते। हमें तुरंत सख्त कदम उठाने होंगे ताकि बीमारी फैलने से रोकी जा सके।

विदेशी मांस से फैला संक्रमण का शक

यह ताइवान में अफ्रीकन स्वाइन फीवर का पहला मामला है। सरकार ने चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार का मांस या मांस उत्पाद बिना निरीक्षण और क्वारंटीन के लाना सख्त वर्जित है। नियम तोड़ने पर 10 लाख ताइवान डॉलर (करीब 32,500 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मंत्री चेन ने बताया कि "सबसे संभावित कारण ताइवान के बाहर से मांस उत्पादों की अवैध तस्करी है, जो बाद में खाद्य अपशिष्ट के जरिए सूअर फार्मों तक पहुंच जाते हैं।

एशिया के अन्य देशों में भी रहा असर

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में चीन और वियतनाम में इस वायरस के फैलने से लाखों सूअरों को मारना पड़ा था। वर्तमान में दक्षिण कोरिया एशिया का एकमात्र देश है जहां अफ्रीकन स्वाइन फीवर का सक्रिय प्रकोप जारी है। वहीं, यूरोप के 12 देश अभी भी इस वायरस से जूझ रहे हैं। ताइवान सरकार ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध पशु मृत्यु की तत्काल सूचना देने की अपील की है।

ट्रंप और जापान की नई पीएम ताकाइची की पहली मुलाकात, एशिया में बदलेगी कूटनीति की दिशा ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार से तीन दिनों के लिए जापान की यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वह प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ पहली बार आमने–सामने बातचीत करेंगे। यह ट्रंप की लगभग छह वर्षों में पहली जापान यात्रा होगी। ताकाइची, जिन्होंने 4 अक्टूबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी, मंगलवार को शिगेरु इशिबा के बाद जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। बुधवार को एक नियमित प्रेस वार्ता के दौरान, मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने कहा कि ट्रंप के सम्राट नारुहितो से भी मिलने की उम्मीद है। किहारा ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा जापान–अमेरिका गठबंधन को और मजबूत करने का एक अत्यंत सार्थक अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि ताकाइची का

प्रशासन इस यात्रा का ईमानदारी से स्वागत करता है। ताकाइची को उनकी रूढ़िवादी नीतियों और आक्रामक सुरक्षा विचारों के लिए जाना जाता है, जो दिवंगत प्रधानमंत्री शिंजो आबे की याद दिलाते हैं, जिन्होंने 2017 में शुरू हुए अपने पहले अमेरिकी कार्यकाल के दौरान ट्रंप के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे थे। जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप ने आखिरी बार 2019 में ओसाका में जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान की यात्रा की थी। क्योदो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को संसद द्वारा ताकाइची को आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री चुने जाने के साथ, वह जापान की पहली महिला नेता बन गई हैं। इस आगामी यात्रा से अमेरिका–जापान संबंधों के और मजबूत होने की उम्मीद है। क्योदो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, ताकाइची ने निचले सदन में पहले दौर के मतदान में जीत हासिल करके दूसरे दौर की दौड़ से बच गए। उन्हें जापान की संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता योशीहिको नोडा के 149 वोटों के मुकाबले 237 वोट मिले। जापानी समाचार एजेंसी ने कहा कि 64 वर्षीय ताकाइची ने संसद के निचले सदन में डाले गए 465 वोटों में से 237 वोट हासिल कर जापान के प्रधानमंत्री बनने का गौरव हासिल किया। नए प्रधानमंत्री के सामने आने वाली चुनौतियों में सुस्त अर्थव्यवस्था और सत्तारूढ़ पार्टी को एकजुट करने का काम शामिल है, जो घोटालों और आंतरिक संघर्षों से हिल गई है। सोमवार को ताकाइची, जो एक नए राजनीतिक साझेदार की तलाश में थे, ने ओसाका के गवर्नर हिरोफुमी योशिमुरा के साथ एक औपचारिक समझौता किया, जो जेआईपी का नेतृत्व करते हैं, जिसे निप्पॉन इशिन नो काई के नाम से भी जाना जाता है।

इमरान खान से मिलने की जद्दोजहद, PTI की याचिकाओं पर हाईकोर्ट में अहम सुनवाई

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की एक बड़ी पीठ गुरुवार को आदियाला जेल में कैद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात के संबंध में पीटीआई नेताओं द्वारा दायर सभी 11 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी की एक याचिका भी शामिल है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पीठ का उद्देश्य खान के

मुलाकात के अधिकारों को लेकर चल रहे विवादों को सुलझाना है। आईएचसी रजिस्ट्रार कार्यालय ने इस्लामाबाद और पंजाब के महाधिवक्ता, पंजाब के अभियोजक जनरल, पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक और जेल महानिरीक्षक को नोटिस जारी किए हैं। महिला चिकित्सा अधिकारी और आदियाला जेल अधीक्षक को भी उसी तारीख के लिए तलब किया गया है। अदालत से इस्लामाबाद और पंजाब प्रशासन के बीच मुलाकात के मुद्दों और आदियाला जेल पर अधिकार क्षेत्र के विवाद दोनों को संबोधित करने की उम्मीद है। सोमवार को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर ने मुख्यमंत्री अफरीदी की जेल में खान से मिलने की अनुमति मांगने वाली याचिका पर रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा उठाई गई आपत्तियों को खारिज कर दिया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अली बुखारी पेश हुए, जबकि याचिका महाधिवक्ता शाह फैसल के माध्यम से दायर की गई थी। याचिका में प्रांतीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी और खान के बीच खैबर पख्तूनख्वा में शासन संबंधी मामलों और मंत्रिमंडल गठन पर चर्चा के लिए एक बैठक की अनुमति देने के लिए अदालती हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया था। रजिस्ट्रार कार्यालय ने पहले यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इसी तरह की याचिकाओं पर पहले ही निर्णय लिया जा चुका है और ऐसी मुलाकातों के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया मौजूद है। हालाँकि, अधिवक्ता बुखारी ने तर्क दिया कि ष्नए कानूनी आधारष मौजूद हैं, क्योंकि मंत्रिमंडल का गठन अभी तक नहीं हुआ है और प्रशासनिक कामकाज के लिए खान से परामर्श आवश्यक है। न्यायमूर्ति ताहिर ने दलीलें सुनने के बाद आपत्तियों को खारिज कर दिया और आंतरिक सचिव, पुलिस महानिरीक्षक और अदियाला जेल अधीक्षक को नोटिस जारी कर 23 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

गाजा में नहीं उतरेंगे अमेरिकी सैनिक, इस्राइल दौरे पर वेंस बोले- शांति बनाए रखना ही ट्रंप का मकसद

तेल अवीव। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस्राइल दौरे के दौरान दोहराया कि गाजा में अमेरिकी सैनिकों के बूट नहीं उतरेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सैन्य नेतृत्व दोनों का रुख साफ है। अमेरिका किसी भी हाल में गाजा में जमीनी कार्रवाई नहीं करेगा। वेंस इस्राइल में गाजा संघर्षविराम को स्थिर बनाए रखने के मिशन पर पहुंचे हैं। दक्षिण इस्राइल के किर्यात गात शहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वेंस ने कहा कि गाजा में अमेरिकी सैनिक नहीं भेजे जाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह स्पष्ट कर दिया है, और हमारी सैन्य नेतृत्व ने भी यही दोहराया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका शांति प्रक्रिया में उपयोगी समन्वय जारी रखेगा। उनका कहना था कि ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य इस्राइल और फलस्तीन के बीच जारी संघर्षविराम को हर हाल में बनाए रखना है।

दौरे का मकसद और मुलाकातों का दौर

वेंस मंगलवार को इस्राइल पहुंचे और गाजा सीमा से जुड़े किर्यात गात कमांड सेंटर का दौरा किया, जहां अमेरिकी नेतृत्व वाली टीम संघर्षविराम की निगरानी कर रही है। उनके साथ द्वितीय महिला उषा वेंस भी मौजूद थीं। वहां उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। बुधवार को उनकी मुलाकात इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से होगी, जहां वे राष्ट्रपति ट्रंप का यह स्पष्ट संदेश देंगे कि अमेरिका किसी भी कीमत पर गाजा शांति समझौते को टूटने नहीं देगा।

ट्रंप का सख्त संदेश

वहीं, मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हम उम्मीद करते हैं कि हमास सही कदम उठाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो उसका अंत तेज, उग्र और निर्दय होगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर हमास संघर्षविराम तोड़ता है, तो मध्य पूर्व के सहयोगी देशों को तुरंत आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका हिंसा नहीं चाहता लेकिन अगर शांति भंग होती है तो जवाब कड़ा होगा।

ट्रंप के रुख पर अडिग अमेरिका: वेंस बोले- गाजा में नहीं होंगे अमेरिकी सैनिक, हमास को कड़ी चेतावनी

संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को फिर से पुष्टि की कि वाशिंगटन गाज़ा में ज़मीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक तैनात नहीं करेगा, और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार अपनाए गए रुख को दोहराया। वेंस ने दक्षिणी इज़राइल के किरयात गत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि गाज़ा में ज़मीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक नहीं होंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। हमारे सभी सैन्य नेतृत्व ने भी यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। फिलहाल अमेरिकी नेतृत्व वाली टीम गाज़ा युद्धविराम की निगरानी

कर रही है। वेंस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका शांति प्रक्रिया में ष्उपयोगी समन्वयष प्रदान करता रहेगा। उपराष्ट्रपति, ट्रम्प प्रशासन के भीतर इस चिंता के बीच युद्धविराम को बनाए रखने के चल रहे प्रयासों को मज़बूत करने के लिए इज़राइल पहुँचे कि इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समझौते पर पुनर्विचार कर सकते हैं, जिससे नए सिरे से शत्रुता का खतरा पैदा हो सकता है। अपने आगमन पर, वेंस ने किरयात गाट कमांड सेंटर का दौरा किया, युद्धविराम की निगरानी की और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ निजी चर्चा की। उनके साथ द्वितीय महिला उषा वेंस भी थीं और इज़राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी ने उनका स्वागत किया। वेंस की यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा बुधवार को नेतन्याहू के साथ उनकी बैठक है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश देना है कि वाशिंगटन गाजा शांति समझौते को टूटने से बचाने के लिए दृढ़ है। इस बीच, ट्रंप ने मध्य पूर्वी सहयोगियों से आग्रह किया कि अगर हमास युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो वे हस्तक्षेप करें, और चेतावनी दी कि ष्अगर ऐसा नहीं होता है, तो उनका अंत क्रूर होगा।ष ट्रुथ सोशल पर लिखते हुए, उन्होंने कहा, अभी भी उम्मीद है कि हमास वही करेगा जो सही है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हमास का अंत तेज़, उग्र और क्रूर होगा! अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए इंडोनेशिया की भी सराहना की और कहा, ष्मैं उन सभी देशों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने मदद के लिए फोन किया। साथ ही, मैं महान और शक्तिशाली देश इंडोनेशिया और उसके अद्भुत नेता को भी मध्य पूर्व और अमेरिका को दी गई मदद के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आप सभी का धन्यवाद!

बांग्लादेशी न्यायाधिकरण अभियोजन ने सेवारत अधिकारियों के मुकदमे को लेकर सेना को चेतावनी दी

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की अभियोजन टीम ने मंगलवार को सेना को चेतावनी दी कि अगर बुधवार को उसके 15 सेवारत अधिकारियों को अदालत में पेश नहीं किया गया, तो उन्हें 'भगोड़ा' घोषित कर दिया जाएगा। आईसीटी–बीडी के अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने संवाददाताओं से कहा, ''अगर वे कल अदालत में पेश नहीं होते हैं, तो न्यायाधिकरण एक नयी तारीख तय करेगा और उनके खिलाफ समन के साथ नोटिस दो अखबारों में प्रकाशित किए जाएंगे। उस तारीख को पेश न होने पर उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया

जाएगा।'' उन्होंने कहा कि न्यायाधिकरण ने पहले कई पूर्व और वर्तमान अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे और पुलिस महानिरीक्षक को उस आदेश को तामील करने का आदेश दिया गया था जबकि ''वारंट की प्रतियां संबंधित (सशस्त्र) बलों के प्रमुखों को भी भेजी गई थीं।'' सेना ने 11 अक्टूबर को मीडिया के साथ बातचीत में कहा था कि आईसीटी–बीडी द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी करने के तुरंत बाद उन्होंने 16 में से 15 अधिकारियों को 'सैन्य हिरासत' में ले लिया। हालांकि, सेना अधिनियम के तहत कोर्ट मार्शल के बजाय।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

8

लखनऊ मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

हलाल सर्टिफिकेशन वाले उत्पाद न खरीदें

सीएम बोले- आतंकवाद-लव जिहाद, धर्मांतरण के लिए इस पैसे का इस्तेमाल

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने कहा कि हलाल सर्टिफिकेशन उत्पाद के प्रदेश में बिक्री पर रोक लगाई गई है। हलाल उत्पाद खरीद से मिलने वाले रुपये से ही धर्मांतरण, लव जिहाद और आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बार फिर हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन पर पूरी तरह से रोक लगी है। उत्तर प्रदेश में अब कोई भी संस्था हलाल सर्टिफिकेट लगाकर अपने प्रोडक्ट नहीं बेच पाएगा। इस दौरान सीएम योगी ने अपील की कि कोई भी सामान खरीदते समय जीएसटी जरूर दें। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए। क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है। यानि हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में बैन किया है। मुझे लगता है यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा, लेकिन आप आश्चर्य करेंगे कि साबुन का भी हलाल, कपड़े का भी हलाल। सीएम योगी ने कहा कि हमने जब कार्रवाई शुरू की तो 25 हजार करोड़ रुपये देश के अंदर हलाल सर्टिफिकेशन से होता है। भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी भी एजेंसी ने उन्हें मान्यता नहीं दी है। ये सारा का सारा पैसा आतंकवाद के लिए, लव जिहाद के लिए और धर्मांतरण में दुरुपयोग होता है। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश ने इसके खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की है। हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर भारत के ग्राहकों का शोषण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कोई सामान खरीदते हैं तो ये जरूर देखिए कि जीएसटी हमें देना है। ये भी देखिए कि हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर एक फूटी कौड़ी भी नहीं देनी है। क्योंकि जितना पैसा भी जाएगा, यह सारा पैसा आपके खिलाफ षड्यंत्र में इस्तेमाल होगा। यह षड्यंत्र बड़े स्तर पर हो रहा है। यही होता है, ये छांगुर एक नमूना के रुप में बलरामपुर में गिरफ्तार करके जेल के अंदर भेजा है। राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे देश में अंग्रेजी शासन से मोर्चा लेने की चर्चा तो होती है लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती। राजनीतिक इस्लाम ने हमारी आस्था पर कुठाराघात किया। हमारे पूर्वजों ने बिट्रिश और फ्रांस के उपनिवेश के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी, राजनीतिक इस्लाम को लेकर भी मोर्चा लिया था। वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप के नाम इसमें उल्लेखनीय हैं। सपा और कांग्रेस पर हमला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस को भी निशाने पर रखा। कहा कि कांग्रेस प्रभु राम और कृष्ण को नकारती थी। कांग्रेस ने अदालत में एफिडेविट देकर कहा था कि भगवान राम और कृष्ण मिथक हैं। सपा ने निर्ममता के साथ राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर अभिभूत हो रही है। पिछले साल 6 करोड़ लोगों ने अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन किया। प्रयागराज में महाकुंभ के 66 करोड़ से अधिक लोग साक्षी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग इसमें शुरूआत से ही खोट निकाल रहे थे।

सपा और कांग्रेस पर हमला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कांग्रेस को भी निशाने पर रखा। कहा कि कांग्रेस प्रभु राम और कृष्ण को नकारती थी। कांग्रेस ने अदालत में एफिडेविट देकर कहा था कि भगवान राम और कृष्ण मिथक हैं। सपा ने निर्ममता के साथ राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया अयोध्या में आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर अभिभूत हो रही है। पिछले साल 6 करोड़ लोगों ने अयोध्या में प्रभु राम का दर्शन किया। प्रयागराज में महाकुंभ के 66 करोड़ से अधिक लोग साक्षी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग इसमें शुरूआत से ही खोट निकाल रहे थे।

गृहिणी होती है असली गृह लक्ष्मी : स्वामी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने माता लक्ष्मी की पूजा पर सवाल उठाए हैं। श्री मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट में गृहणी को असली गृह लक्ष्मी बताया और माता लक्ष्मी को बाहरवाली लक्ष्मी करार दिया। इस ट्वीट के बाद विवाद बढ़ने पर मौर्य ने अपनी बात स्पष्ट की है। उन्होंने अपने ट्वीट में दीपोत्सव के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमें अपने घरों में दीप जलाने के साथ-साथ पड़ोसियों के घरों में भी दीप जलाने का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने असली गृह लक्ष्मी, यानी गृहणी की पूजा और सम्मान करने की बात की, जो घर को सुंदर और स्वर्ग जैसा बनाती हैं। मौर्य ने कहा कि बाहरवाली लक्ष्मी केवल बाजार से आती हैं और फिर चली जाती हैं, जिससे देश की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता।मौर्य ने कहा कि उन्होंने दीपोत्सव पर शुभकामनाएं दीं और लोगों से अपने घरों में दीप जलाने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि देवी लक्ष्मी की पूजा एक परंपरा हो सकती है, लेकिन यह वास्तविकता से दूर है। यदि लक्ष्मी की पूजा से धन आता, तो भारत गरीब देशों की सूची में नहीं होता।स्वामी प्रसाद मौर्य ने यह भी कहा कि 80 करोड़ लोग जो 5-10 किलो चावल पर जीवन यापन कर रहे हैं, क्या वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिला सकते हैं? उन्होंने बेरोजगारी की समस्या पर भी चिंता जताई और कहा कि यदि धन की देवी लक्ष्मी से प्रार्थना करने से गरीबी दूर होती, तो देश की स्थिति अलग होती। उन्होंने किसी पूजा का विरोध नहीं किया है, बल्कि उन्होंने केवल यह कहा कि असली गृह लक्ष्मी गृहिणी होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि पूजा करनी है, तो घर की देवी यानी गृहिणी की पूजा करें ताकि घर में सुख-समृद्धि बनी रहे।

बाढ़ प्रभावित पंजाब को यूपी ने भेजे एक हजार क्विंटल गेहूं के बीज

लखनऊ,संवाददाता। बाढ़ से बेहाल पंजाब के किसानों को गेहूं के उन्नत एक हजार क्विंटल बीज यूपी सरकार ने भेजे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर पंजाब के लिए रवाना किया। उन्नत किस्म का रोग प्रतिरोधी गेहूं का बीज पंजाब के किसानों के लिए भेजा गया है।पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा कि केंद्र व उप्र की डबल इंजन सरकार पंजाब के किसानों के साथ मजबूती से खड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में बड़े कार्य किए जा रहे हैं। योगी ने कहा,आपदा की घड़ी में पंजाब के किसान अकेले नहीं हैं। भारत सरकार पर्याप्त मात्रा में फंड उपलब्ध करा रही है। आपदा से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के साथ है। प्रदेश के कृषि विभाग और उप्र बीज विकास निगम की ओर से 2500 बोरे अर्थात एक हजार क्विंटल उन्नत किस्म का डीबीडब्ल्यू-327 किस्म का गेहूं बीज पंजाब को भेजा है। इस गेहूं बीज को करन शिवानी नाम से भी जाना जाता है। यह रोग प्रतिरोधी व जिंक बॉयो-फोर्टिफाइड है। यह बीज 155 दिनों में तैयार हो जाता है और औसतन प्रति हेक्टेयर 80 क्विंटल इसकी उपज है।यूपी में लगातार कृषि उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उप्र में देश की 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि आती है और यह देश का 21 प्रतिशत खाद्यान्न का उत्पादन करता है। आज देश की खाद्यान्न आत्मनिर्भरता में यूपी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उप्र बीज विकास निगम का लाभांश अब 148 करोड़ रुपये हो गया है। दीपावली का पांच दिवसीय पर्व और खास हो गया है क्योंकि हम अपनी खुशी व उत्साह में पीड़ित लोगों को शामिल कर उनका दर्द बांटने जा रहे हैं। पंजाब के किसानों को इससे राहत मिलेगी। इससे पहले यूपी सरकार ने हिमांचल प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब के लोगों को बाढ़ राहत सामग्री भेजी थी।प्रदेश में उन्नत किस्म के बीज किसानों को उपलब्ध कराने के लिए पांच सीड पार्क बनाए जाएंगे। लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क बनेगा।

दिवाली में आतिशबाजी के बाद गाजियाबाद की हवा सबसे खराब, लखनऊ-वाराणसी का भी हाल भी बेहाल

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश जहां अब दिवाली की खुशियों के बाद अब लोगों की चिंता बढ़ गई है,,, चारों तरफ घनी धुंध ने दिन-रात का नजारा बदल दिया है।

पूर्व डिप्टी सीएम और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा- मैंने पतंगबाजी में 8 पेंच काट लिए हैं, लेकिन नौवां नही काट पाए।

अखिलेश यादव न केवल राम द्रोही, बल्कि कृष्ण द्रोही भी हैं: योगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि अखिलेश न केवल राम द्रोही हैं, बल्कि कृष्ण द्रोही भी हैं। आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अगर अखिलेश यादव प्रजापति (मिट्टी के बर्तन बनाने वाले) समुदाय का दर्द समझते, तो वह ऐसा बचकाना बयान नहीं देते। उन्होंने कहा, इसलिए कहा जाता है कि गद्दी तो मिल सकती है, लेकिन बुद्धि नहीं। इसके लिए प्रयास करने पड़ते हैं। और कुछ लोगों की आदत होती है कि उनका बचपना जीवन भर उनके साथ रहता है। वे ऐसे कृत्य करते हैं, और अब भी कर रहे हैं। उन्होंने (अखिलेश यादव) कहा था कि दीये जलाने की क्या जरूरत है?

दूसरे शब्दों में उन्हें दीपावली से नफरत है। अब तक हम यही सोचते थे कि उन्हें अयोध्या में रामजन्मभूमि और अन्य हिंदू तीर्थस्थलों से नफरत है। आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन के दौरान उन्होंने (अखिलेश यादव) कहा था कि वह सैफई में दुर्योधन की मूर्ति लगाएंगे। उन्होंने कहा, हम भगवान कृष्ण के मथुरा और वृंदावन को सजाएंगे क्योंकि ये हमारे संस्कार हैं। कंस और दुर्योधन आपको प्रिय हैं, आप उन्हें स्थापित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ष्उन्होंने इस बार भी दीपावली के अवसर पर यही बात कही। दूसरे शब्दों में, वह न केवल राम द्रोही हैं, बल्कि कृष्ण द्रोही भी हैं। वह सनातन धर्म के त्योहारों के भी गद्दार हैं।ष आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने पहले भगवान राम और भगवान कृष्ण को नकार दिया था और आज दुनिया भगवान रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आती है और मंत्रमुग्ध हो जाती है। यादव ने दीपावली पर राज्य सरकार द्वारा किए गए खर्चों का जिक्र करते हुए कहा था कि विदेशों से सीख लेनी चाहिए, जहां क्रिसमस के दौरान पूरा शहर महीनों तक जगमगाता रहता है। सपा प्रमुख ने कहा था, दुनिया में क्रिसमस के समय पूरा शहर जगमगाता है और महीनों तक जगमगाता रहता है। उनसे सीखो। दीपोत्सव समारोह पर एक सवाल के जवाब में यादव ने संवाददाताओं से कहा, दीयों और मोमबत्तियों पर बार-बार खर्च क्यों होता है?...ऐसी सरकारों को हटा देना चाहिए। हम बहुत सुंदर रोशनी करेंगे। यादव ने पिछले दिनों प्रजापति समाज को लेकर भी एक्स पर एक पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने कहा था, उप्र के प्रजापति समाज के लिए हम ये संकल्प उठाते हैं कि 2027 की दिवाली पर पीडीए सरकार उनके करोड़ों रूपये के दीये खरीदेगी, जिनसे उनकी इतनी आमदनी हो सके कि उनके घरों में कई महीनों तक दिवाली का प्रकाश बना रहे। सपा प्रमुख ने कहा, ष्आज की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार दूर के तटीय राज्य के लोगों को ये काम देकर उप्र के प्रजापति समाज का हक मार रही है। हम चाहते हैं कि दीया भी उप्र का हो, बाती भी, तेल भी और रोशनी भी। भाजपा दीपोत्सव के ठेकों में उप्र के लोगों की उपेक्षा करके 'दीया तले अंधेराश करने का पाप न करे।

गोशाला में सीएम योगी ने की गोवर्धन पूजा, फिर गायों और गोवंश को खिलाई गुड़-रोटी

लखनऊ,संवाददाता। दीपावली के पंच दिवसीय महापर्व की श्रृंखला के महत्वपूर्ण पर्व गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में विधि विधान से गोवर्धन पूजा की। गोपूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोवंश भारत की समृद्धि का आधार रहा है। सरकार गो संरक्षण और संवर्धन के लिए कई योजनाओं के जरिये सतत प्रयास कर रही है। दीपावली के दिन सोमवार से ही गोरखपुर प्रवास कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन की प्रक्रिया पूर्ण की। गायों और गोवंश को माला पहनाई, तिलक लगाया और गोमाता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। गो पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया। इस दौरान वह गायों और गोवंश को उनका नाम लेकर पुकारते रहे और उनके पास जाकर उन्हें खूब दुलार भी किया। गोवर्धन पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी के पूर्व विधायक राम सरोज का निधन, लखनऊ पीजीआई में ली अंतिम सांस

लखनऊ,संवाददाता। भारतीय जनता पा (भाजपा) के वयोवृद्ध नेता और पूर्व विधायक सोमारु राम सरोज का मंगलवार शाम लखनऊ के संजय गांधी स्नाकोत्तर आर्युविज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वह करीब 85 वर्ष के थे । जिले की राजनीति में अपनी सादगी, जनसेवा और ईमानदार छवि के लिए पहचान रखने वाले पूर्व विधायक के निधन की सूचना पर यहां शोक की लहर फैल गयी। राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार श्री सरोज पिछले चार महीने से बीमार चल रह थे। 28 सितंबर को उनकी तबीयत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के पीजीआई में भर्ती कराया गया था, जहां शाम लगभग छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके पुत्र एवं समाजवादी पार्टी नेता संजय सरोज ने बताया कि श्पिताजी पिछले चार माह से बीमार थे। डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन आज शाम छह बजे उन्होंने हमें सदा के लिए छोड़ दिया। देर रात तक उनका पार्थिव शरीर पैतृक निवास जौनपुर जिले में केराकत तहसील के पतौरा गांव लाया गया। बुधवार यानी आज सिंहौली घाट, गोमती नदी तट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। राम का राजनीतिक जीवन प्रेरणादायक रहा। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत ग्राम और ब्लॉक स्तर से की थी। सन 1983 में वे मुफ्तीगंज ब्लॉक के प्रमुख चुने गए थे। इसके बाद वे राम लहर के दौरान 1991 और 2002 में केराकत विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए।

राजनीतिक इस्लाम ने सनातन आस्था पर सबसे ज्यादा प्रहार किया : योगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि ब्रिटिश और फ्रांसीसी उपनिवेशवाद की चर्चा तो अक्सर होती है, लेकिन सनातन धर्म पर सबसे बड़ा प्रहार करने वाले राजनीतिक इस्लाम का जिक्र कम ही किया जाता है। आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गोरखपुर संभाग द्वारा आयोजित विचार-परिवार कुटुंब स्नेह मिलन और दीपोत्सव से राष्ट्रोत्सव कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महान योद्धाओं ने राजनीतिक इस्लाम के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे पूर्वजों ने राजनीतिक इस्लाम के खिलाफ बड़े संघर्ष किये फिर भी इतिहास के इस पहलू को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है। आदित्यनाथ ने योगीराज बाबा गंभीरनाथ सभागार में अपने संबोधन में 500 साल के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए संघ की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे पूर्वजों ने न केवल अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के खिलाफ, बल्कि राजनीतिक इस्लाम के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप जैसे नायक इसके प्रमाण हैं। ब्रिटिश उपनिवेशवाद की बात होती है, फ्रांसीसी उपनिवेशवाद की बात होती है, लेकिन कहीं भी उस राजनीतिक इस्लाम की बात नहीं होती जिसने आस्था को कमजोर किया। हालांकि उन्होंने राजनीतिक इस्लाम की व्याख्या नहीं की और न ही उससे संबंधित किसी विशेष घटना का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संघ की 100 साल की यात्रा में असंभव को संभव बनाया गया है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और विपक्षी खेमे के सदस्यों ने राम मंदिर पर सवाल उठाए लेकिन संघ के स्वयंसेवक मंदिर निर्माण के अपने संकल्प पर अडिग रहे। संघ ने प्रतिबंधों को सहन किया और उसके स्वयंसेवकों ने लाठीचार्ज और गोलियों का सामना किया, और आज, भव्य श्रीराम मंदिर उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक इस्लाम को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां विभिन्न रूपों में जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हलाल-प्रमाणित उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है और दावा किया कि ऐसी बिक्री से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल धर्मांतरण, लव जिहाद और आतंकवाद के लिए किया जा रहा है।

अनुशासन, कर्मठता और, अमित शाह के जन्मदिन पर योगी ने दी बधाई

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दी है। योगी ने कहा है कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर यश की प्राप्ति हो। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि, अनुशासन, कर्मठता और संगठन-कौशल के अद्भुत समन्वय, लोकप्रिय जननेता एवं देश की आंतरिक सुरक्षा के शिल्पी माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर यश की प्राप्ति हो। आपका राष्ट्रसेवा और सहकारिता का पथ और भी जनकल्याणकारी बने, यही मंगलकामना है। गौरतलब है कि 1964 में जन्मे अमित शाह भारतीय जनता पार्टी के उत्थान में एक प्रमुख रणनीतिकार रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक हैं। उनके संगठनात्मक कौशल और राजनीतिक कौशल ने उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय रणनीति और शासन के एजेंडे, दोनों को आकार देने में केंद्रीय भूमिका दिलाई है। जन्मदिन के मौके पर अमित शाह गांधीनगर के सेक्टर 17 में 220 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवनिर्मित विधायक आवासों का उद्घाटन करेंगे। इस परिसर में 12 नौ-मंजिला टावरों में फैले 216 वातानुकूलित 4बीएचके फ्लैट हैं और इसमें आधुनिक सुविधाएँ जैसे सुंदर बगीचे, एक सभागार, स्वास्थ्य क्लब और मनोरंजन क्षेत्र शामिल हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम योगी ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथा ने राज्य पुलिस के तीन शहीद कर्मियों के परिजनो को सम्मानित किया है। आंकड़ों के अनुसार पिछले आठ वर्ष में अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24/298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इससे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।